दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

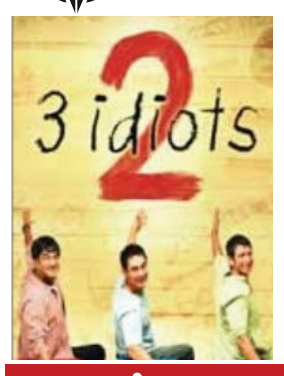

अमन लेखनी

अब शादीशुदा और बच्चों का बाप है रैंचो : हिरानी

ईथा में फिर छोड़ा अदाकारी का असर

वर्ष : 12 | अंक : 177 | लखनऊ, 21 जून, रविवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

कोलकाता एयरपोर्ट पर बंदूक संग शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी के बीती रात

कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हवाई अड्डे पर काफी बवाल हुआ। टीएमसी ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बाद बंदूक थी। भाजपा के एक गुंडे ने अभिषेक की हत्या की योजना बनाई थी।

उषा सहित 4 को लाइफटाइम अचीवमेंट

नई दिल्ली। एएफआई की ओर से आयोजित पहले इंडियन

एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की 4 दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महान धाविका पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान शामिल हैं।

बेस्ट कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) के कर्मचारी

शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। महाराष्ट्र सरकार के द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूदकर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। लोग लोकल ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं, टैक्सियों, ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा पर निर्भर हैं।

'अष्टलक्ष्मी' ने वैश्विक मंच पर बनाई पहचान

शिलांग। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि

पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई महत्वपूर्ण स्थलों का केंद्र बन चुका है और यह क्षेत्र सतत एवं समावेशी विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। 'अष्टलक्ष्मी' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वोत्तर के 8 राज्यों ने मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात दी

पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत बदली राह और बना विकास का गेटवे

पीएम मोदी ने पहाड़पुर गांव में पूजा-अर्चना की

मयूरभंज ज़िले में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते प्रधानमंत्री

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं। इस दौरान कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है।

पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्रीने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

'पूर्वोदय' नीति से दिख रही पूर्वी भारत की तस्वीर

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस पूर्वी भारत को कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का पर्याय बना दिया गया था, आज वही क्षेत्र देश की प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा इस सकारात्मक बदलाव का प्रत्यक्ष साक्षी है। उन्होंने ओडिशा की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर राज्य की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मयूरभंज आना और बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह प्राप्त करना उनके लिए विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण विकास की गति और तेज हुई है।

भाजपा सरकार खुद जनता तक पहुंच रही

पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता ये है कि वो खुद जनता तक पहुंचती है। हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को किसी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

ओडिशा की बेटी ने बढ़ाया पूरे राज्य का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची है, जो पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपतिके उदार व्यक्तित्व, सहृदय स्वभाव और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण ने न केवल मयूरभंज बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री, बधाई दी

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया।

राष्ट्रपति का गांव पहाड़पुर बनेगा 'सूर्यग्राम'

प्रधानमंत्री ने रायरंगपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रके गांव पहाड़पुर को जल्द ही 'सूर्यग्राम' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गांव के प्रत्येक परिवार को सौर ऊर्जा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

दशकों के कुशासन से मुक्त हुआ प्रदेश विकास का महाअभियान हो गया शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने बंगाल के तारकेश्वर में कार्यक्रम में कहा कि 'पश्चिम बंगाल दिवस' के मौके पर मैं लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के दौर में हमारे बंगाल ने क्या कुछ नहीं सहा, कितने बलिदान दिए, कितने त्याग सहे, 1946 में कोलकाता में हिंसा हुई थी, तब कितने निर्दोष बंगाली लोग उसकी भेंट चढ़ गए।

बंगाल ने रक्तपात सहा, अपनों को खोया, अपनी मातृभूमि के टुकड़े होते देखे, लेकिन बंगाल ने अपनी अस्मिता और पहचान को नष्ट नहीं होने दिया। इसी का परिणाम था कि जब पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश हो रही थी तब अलग पश्चिम बंगाल बनाकर उन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया गया। पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में हम केवल एक तारीख को याद नहीं कर रहे, बल्कि पूरे इतिहास को याद कर रहे हैं।

सम्मान निधि जारी की

9.44 करोड़ से अधिक किसानों को दी 23वीं किस्त

पीएम मोदी ने मंच से कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की गई है। 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खाते में लगभग 19 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23वीं किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खाते में 23वीं किस्त हस्तांतरित की गई है प्रधानमंत्री ने बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है।

योग दिवस से पहले की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि कल देश, दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। इस बार मैं बंगाल में ही योग दिवस का हिस्सा बनूंगा। स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद जैसे योगियों की भूमि से जो संदेश जाएगा उससे पूरे विश्व का मार्गदर्शन होगा। मैं चाहूंगा कि इस बार बंगाल के कोने-कोने में योग दिवस के आयोजन हो।

मध्य प्रदेश में 42,000 आवास स्वीकृत

प्रत्येक नया घर परिवारों के लिए सम्मान सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीक: मनोहर लाल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने मध्य प्रदेश में 'सभी के लिए आवास' पहल के तहत इंदौर जिले के सांवेर में एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत आयोजित इस कार्यक्रम से आवास स्वीकृति और गृह प्रवेश के माध्यम से 80,000 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री (नगरीय प्रशासन एवं विकास) प्रतिमा बागरी

तथा राज्य सरकार के अन्य मंत्री भी मौजूद रहे। पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 42,000 से अधिक पात्र लाभार्थियों को आवास मंजूरी पत्र वितरित किए गए, जिनके लिए सरकार द्वारा 1,050 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38,000 परिवारों ने अपने नव-निर्मित पक्के मकानों में गृह प्रवेश किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने आवास स्वीकृति प्राप्त करने वाले तथा नए घरों में प्रवेश करने वाले सभी लाभार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नया घर परिवारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सभी के लिए आवास' के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य में 10.39 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 9.08 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है।

नवीन ने श्री हरमिंदर साहिब में मत्था टेका

नवीन ने पंजाब में पार्टी की कोर कमेटी संग की बैठक और संगठनात्मक मुद्दों पर की चर्चा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को 3दिवसीय पंजाब प्रवास की शुरुआत की। नवीन ने अमृतसर स्थित आईटीसी वेलकम होटल में प्रदेशाध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों के साथ प्रदेश कोर कमेटी की बैठक की। इस अहम बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक एवं संगठनात्मक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। नवीन ने पवित्र एवं ऐतिहासिक श्री हरमंदिर साहिब श्री दरबार साहिब में मत्था टेका और अरदास की। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सूचना केंद्र द्वारा नवीन का सम्मान किया गया तथा सूचना केंद्र के अधिकारियों ने उन्हें रस्मी तौर पर पगड़ी भी बांधी। नवीन ने हरमंदिर साहिब में सेवा भी दी और बर्तन साफ किए। नवीन ने कहा कि गुरु महाराज साहब का आशीर्वाद लेने का अवसर प्राप्त हुआ। आज यहां अरदास कर पूरे देश के लोगों के लिए शांति और अमन तथा पंजाब के लोगों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की है। मैं पटना साहिब, गुरु गोविंद सिंह जी के जन्मस्थान से आया हूं, जो मेरी कर्मभूमि है और यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे गुरुओं की इस भूमि पर आकर मत्था टेकने और अरदास करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, उसी प्रकार पंजाब भी प्रगति के नए आयाम स्थापित करे। हमारा स्पष्ट विजन है कि यदि पंजाब को कोई वास्तव में नशामुक्त बना सकता है, तो वह केवल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल-इंजन भाजपा सरकार ही है। इसके उपरांत नितिन नवीन ने जलियांवाला बाग पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के अमर बलिदानियों को नमन किया।

कोल्हापुर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले

संपूर्ण विपक्ष पर साधा निशाना

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जिसका यहां जन्म हुआ वही रहेगा, बाकी होंगे बाहर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से घुसपैठ का मुद्दा उठाया। अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। इस देश में वही रहेगा, जिसका जन्म यहां हुआ है।

बाकि लोगों को हिंदुस्तान से चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा। इस दौरान शाह ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह लोग

घुसपैठ को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार इनको मंसबों को कामयाब नहीं होने देगी। मैं विश्वास के साथ इस कोल्हापुर की पवित्र धरती से देश की जनता को कहकर जाता हूं कि बंगाल की जनता से हमें आशीर्वाद दिया है।

अंबाबाई कॉरिडोर के मंच से कहा

अब सिर्फ एक ही शिवसेना गुट कहने का दौर खत्म

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना की पहचान और नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही बहस के बीच शाह ने बड़ा बयान दिया है। कोल्हापुर में एक जनसभा में शाह ने कहा कि पहले लोगों को एकनाथ शिंदे का नाम लेते समय 'शिवसेना-शिंदे गुट' कहना पड़ता था, अब कोई गुट नहीं बचा है और केवल एक ही शिवसेना है।

मुख्यमंत्री बोले: हरियाणा में होगा एआई सैंडबॉक्स लांच, एसपीबी होगी गठित

कहा, अर्जुन एसपीबी गठित कर प्रोजेक्ट की हर तीसरे माह बैठक आयोजित कर समीक्षा की जाएगी

हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट के तहत 3647 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे: सीएम नायब

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट तथा हरियाणा एआई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं। इनके माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को राज्य में शुरू क्लीन एयर और एआई प्रोजेक्ट की विस्तार से समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव अरूण गुप्ता,

आयुक्त एवं सचिव क्रीड जे गणेशन, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, क्रीड के सीपीओ नितिन बसंल, निनाद राजपुत, पुलीन सिंह, सांगर जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा क्लीन एयर प्रोजैक्ट के तहत 3647 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगें। इसमें हरियाणा प्रदुषण नियत्रण बोर्ड, गुरूग्राम मेट्रोपोलिटन सिटी बस सेवा, हरियाणा सिटी बस सेवा, विकास एवं पंचायत विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण, परिवहन, उद्योगिक एवं वाणिज्य तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग सहित 9 विभाग मिलकर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्जुन एसपीबी गठित कर प्रोजैक्ट की हर तीसरे माह बैठक आयोजित कर समीक्षा की जाएगी ताकि इन्हें जल्द से जल्द पूरा कर जनता को लाभ दिया जा सके। सीएम ने कहा कि हरियाणा एआई डिवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत पंचकूला में स्टेट एआई डाटा सेंटर व गुरूग्राम में जीएआईसी बनाया जा रहा हैं। इन पर 474 करोड़ रुपए की लागत आएगी। प्रदेश का अपना एआई का स्टेट डाटा सेंटर होगा जिसमें पूर्ण रूप से पारदर्शी और सही डाटा एकत्र होगा और उस पर पीपीपी से मिलान किया जा सकेगा। इसके अलावा 40 करोड़ रुपए की लागत से उद्योगों के लिए स्किल कोर्स, कोलाबोरेशन वर्कशॉप हेतू दो सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एआई सेंण्डबॉक्स लांच किया जाएगा।

आयुष्मान कार्डधारकों का अब जिले में होगा इलाज

अप्रूवल, रिजेक्शन और कार्ड डिसेबल जैसी प्रक्रियाओं के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे राजधानी के चक्कर

अमन लेखनी समाचार

- अनियमितताओं के चलते 200 अस्पतालों पर कार्रवाई
- राष्ट्रीय औसत से बेहतर यूपी का प्रदर्शन, 57 दिन में हो रहा क्लेम का निस्तारण

लखनऊ। योगी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए एक बड़ी राहत भरी व्यवस्था लागू की गई है। अब आयुष्मान कार्ड से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए लाभार्थियों को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) के लखनऊ स्थित कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उनकी समस्याओं का निस्तारण अब जिला स्तर पर ही किया जा सकेगा।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयास है कि आयुष्मान भारत योजना का वास्तविक लाभ तभी पात्र लोगों तक पहुंचे। उन्हें बिना किसी अनावश्यक परेशानी के समय पर सेवाएं उपलब्ध हों। यही वजह है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ), नोडल आयुष्मान अधिकारियों तथा जिला कार्यान्वयन इकाई की टीमों को विशेष तकनीकी आईडी उपलब्ध करा दी गई है। इसके माध्यम से अब जिला स्तरीय अधिकारी आयुष्मान कार्ड के अप्रूवल, रिजेक्शन और कार्ड को डिसेबल करने जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित समाधान कर सकेंगे। इस व्यवस्था से लाभार्थियों का समय और धन दोनों बचेगा तथा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेजी से उपलब्ध होंगी। वहीं साचीज ने गुणवत्तापूर्ण उपचार और अस्पतालों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं। एजेंसी का उद्देश्य एक ओर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है तो दूसरी ओर ईमानदारी से कार्य करने वाले अस्पतालों को समय पर भुगतान देकर उन्हें प्रोत्साहित करना भी है। दावों (क्लेम) के निस्तारण और भुगतान प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में भुगतान लंबित होने को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है और लगभग 500 करोड़ रुपये की देयता ही लंबित है। उत्तर प्रदेश में दावा निस्तारण एवं भुगतान का औसत टर्न-अराउंड टाइम लगभग 57 दिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 73 दिन है। यह उपलब्धि प्रदेश में लागू की गई प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था और तकनीकी सुधारों को दर्शाती है। साचीज की सीईओ ने बताया कि कई बार अस्पतालों द्वारा आवश्यक दस्तावेज समय पर या पूर्ण रूप से प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण दावे अस्वीकृत हो जाते हैं। इससे अस्पतालों को भुगतान प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए एजेंसी विभिन्न चरणों में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इन प्रशिक्षणों में अस्पतालों को दावा प्रस्तुत करने की सही प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेखों की जानकारी और स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन्स के अनुरूप उपचार एवं दावा प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अस्पताल पहली बार में ही सही और पूर्ण दावा प्रस्तुत कर सकेंगे। इससे दावों की अस्वीकृति कम होगी और भुगतान प्रक्रिया और अधिक तेज एवं पारदर्शी बनेगी। इससे मरीजों और अस्पतालों दोनों को लाभ मिलेगा। दूसरी ओर केवल गुणवत्तापूर्ण और लाभार्थी हितैषी अस्पतालों को बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी भी की जा रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में गुणवत्ता मानकों का पालन न करने तथा विभिन्न अनियमितताओं के कारण लगभग 200 अस्पतालों को योजना से डी-एम्पैनल किया गया है। यह कार्रवाई स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है।

300 अस्पतालों का कराया जा रहा फील्ड ऑडिट

करीब 300 अस्पताल ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जिनके विरुद्ध अपकोडिंग अथवा संदिग्ध दावों के माध्यम से अनुचित भुगतान प्राप्त करने की आशंका सामने आई है। ऐसे अस्पतालों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और उनके विरुद्ध विस्तृत फील्ड ऑडिट कराया जा रहा है। जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इससे योजना की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को और मजबूती मिलेगी। साचीज का स्पष्ट लक्ष्य है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केवल वही अस्पताल सक्रिय रहें, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान कर रहे हैं। ऐसे अस्पतालों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा उनके दावों और भुगतान के निस्तारण को और अधिक व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 1.42 करोड़ बच्चों के साथ आज योगमय होगा उत्तर प्रदेश

अमन लेखनी समाचार

- 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में होगा सामूहिक योगाभ्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है। प्रदेश के 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों के लगभग 1.42 करोड़ छात्र-छात्राओं तथा 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत 78 हजार से अधिक छात्राओं को योग से जोड़ने की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रदेशभर के विद्यालयों में सामूहिक योगाभ्यास होगा, जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और अभिभावक सहभागिता करेंगे। कार्यक्रमों के प्रभावी अनुश्रवण और समन्वय के लिए शिक्षा निदेशक (बेसिक) अनिल भूषण चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। योग को जन आंदोलन और स्वस्थ जीवनशैली का आधार बनाने की दिशा में योगी सरकार की सतत पहल का प्रभाव इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भी दिखाई देगा, जहां गांव से लेकर शहर तक विद्यालय परिसर योगमय वातावरण के साक्षी बनेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बेसिक शिक्षा विभाग ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयुष मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में प्रदेश के सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों तथा खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग का प्रयास है कि योग दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन न रहकर विद्यार्थियों के जीवन में स्वस्थ आदतों और सकारात्मक जीवनशैली का स्थायी संदेश बन सके। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 21 जून को विद्यालयों में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम और योग के महत्व पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों से परिचित कराया जाएगा। साथ ही अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि योग का संदेश समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्षों में योग को विद्यालयी जीवन और जनस्वास्थ्य से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। विद्यालयों में नियमित योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच विकसित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। 21 जून को होने वाला यह व्यापक आयोजन न केवल योग की वैश्विक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि नई पीढ़ी को स्वस्थ, जागरूक और आत्मविश्वासी बनाने के संकल्प को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह की जनसेवा का प्रतीक बनी तारा शक्ति निःशुल्क रसोई, हजारों जरूरतमंदों का बन रही सहारा

तारा शक्ति निःशुल्क रसोई से सरोजनीनगर में आशा की नई किरण — डॉ. राजेश्वर सिंह

प्रतिदिन 4000 जरूरतमंदों तक भोजन पहुँचाने का सतत अभियान — डॉ. राजेश्वर सिंह

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ।सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की जनसेवा, संवेदनशीलता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बन चुकी तारा शक्ति निःशुल्क रसोई आज हजारों जरूरतमंदों के लिए आशा, विश्वास और आत्मसम्मान का केंद्र बन गई है। पूज्य माँ तारा सिंह जी की पावन प्रेरणा तथा सेवा, करुणा और ममत्व के संस्कारों से प्रेरित यह पहल निरंतर समाज के कमजोर, असहाय और जरूरतमंद वर्ग को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध करा रही है।

तारा शक्ति निःशुल्क रसोई का मूल संकल्प है—

'कोई भी निराश्रित, असहाय, राहगीर या जरूरतमंद भूखा न रहे।'

यह केवल भोजन वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक मानवीय मिशन है जो सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से संचालित हो रहा है। डॉ. राजेश्वर सिंह का मानना है कि विकास तभी सार्थक है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मानपूर्वक जीवन जी सके और उसकी मूल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो।

माँ अन्नपूर्णा जी की कृपा और पूज्य माँ तारा सिंह जी की प्रेरणा से संचालित यह अभियान करुणा और कर्तव्य के पथ पर निरंतर समर्पित है। माँ तारा सिंह जी की सेवा भावना और मातृसुलभ संवेदना ही इस पहल की आधारशिला है।

18 जुलाई 2023 को इस महत्वपूर्ण जनसेवा अभियान का औपचारिक शुभारंभ हुआ। आरंभ से ही इस पहल का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक सम्मान, सहारा और संवेदनशीलता पहुँचाना रहा है।

आज तारा शक्ति निःशुल्क रसोई सरोजनीनगर में बड़े पैमाने पर संचालित हो रही है। इस पहल के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 4000 जरूरतमंदों को ताजा, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

भोजन वितरण मुख्य रूप से उन लोगों तक पहुँचाया जाता है जो आर्थिक, सामाजिक या परिस्थितिजन्य कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जिनमें शामिल हैं—

निराश्रित एवं असहाय नागरिक

दिहाड़ी श्रमिक

अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजन

राहगीर एवं प्रवासी श्रमिक

बुजुर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार

यह पहल न केवल भूख मिटाने का कार्य कर रही है, बल्कि जरूरतमंदों में आशा, सुरक्षा और आत्मसम्मान का भाव भी सुदृढ़ कर रही है। तारा शक्ति निःशुल्क रसोई की सबसे बड़ी शक्ति इसकी निरंतरता, अनुशासन और सेवा भावना है। प्रतिदिन भोजन की तैयारी, पैकिंग, परिवहन और वितरण तक की पूरी व्यवस्था समर्पित स्वयंसेवकों और सहयोगियों द्वारा संचालित की जाती है। वर्तमान में भोजन वितरण विधायक कार्यालय (पराग चौराहा, आशियाना), लोकबंधु चिकित्सालय तथा बाराबिरवा चौराहा सहित प्रमुख केंद्रों पर नियमित रूप से किया जा रहा है, जिससे अधिकतम जरूरतमंदों तक पहुँच सुनिश्चित हो सके। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि तारा शक्ति निःशुल्क रसोई आज केवल भोजन वितरण केंद्र नहीं, बल्कि समाज में आशा, विश्वास और आत्मसम्मान का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज का कोई भी व्यक्ति भूखा है, तब तक सेवा का यह अभियान निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरोजनीनगर में विकास की परिकल्पना केवल सड़क, बिजली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय मूल्यों, संवेदनशील शासन और जनकल्याण आधारित सेवा से ही वास्तविक विकास संभव है। इसके साथ ही डॉ. राजेश्वर सिंह ने तारा शक्ति निःशुल्क रसोई के सफल संचालन में योगदान देने वाले टीम राजेश्वर तथा सरोजनीनगर के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सहयोगी प्रतिदिन समय पर भोजन वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ अधिकांश दिनों में स्वयं उपस्थित होकर जरूरतमंदों को भोजन परोसने का कार्य भी करते हैं। यह सेवा भावना ही इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। डॉ. सिंह ने विशेष रूप से श्रीमती सुधा कला जी, श्रीमती रीना उपाध्याय जी, अभिषेक जी एवं प्रदीप मिश्रा जी दुर्गेश सिंह जी, के समर्पित योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इनके अथक प्रयासों, अनुशासित कार्यशैली और सेवा के प्रति समर्पण के कारण तारा शक्ति निःशुल्क रसोई निरंतर सफलतापूर्वक संचालित हो रही है और प्रतिदिन हजारों जरूरतमंदों तक भोजन पहुँचाने में सक्षम है। उन्होंने प्रगति प्रयास फाउंडेशन एवं माँ पीताम्बरा ट्रस्ट के प्रति भी हार्दिक धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त की, जिनके निरंतर सहयोग, सामाजिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के प्रति समर्पण ने इस अभियान को और अधिक प्रभावी तथा व्यापक बनाया है। डॉ. सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी सहयोगियों के संयुक्त प्रयासों से तारा शक्ति निःशुल्क रसोई भविष्य में भी जरूरतमंदों के लिए आशा, सम्मान और सहारे का माध्यम बनी रहेगी।

संदिग्ध हालत में दुकान में लगी आग

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दुकान के अंदर संदिग्ध हालत में आग लग गई। दुकान से तेज धुआँ और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना के बाद पहुंची तीन दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस के मुताबिक कृष्णा नगर में रहने वाले गुरुपति सलूजा की सरोजनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर में दीप इंटरप्राइजेज के नाम से फॉल सीलिंग में लगने वाली लोहे की जाली की दुकान है। गुरुपति सलूजा रोज की तरह शुक्रवार देर शाम भी दुकान बंद कर घर चले गए। शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे दुकान के भीतर से अचानक तेज धुआँ और आग की लपटें उठने लगी। आसपास के लोगों ने दुकान से तेज धुआ निकलता देख इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना पाकर सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने आग बुझानी शुरू की, लेकिन कामयाबी न मिलते देख बाद में आलमबाग फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी बुलाई गई। जिसके बाद तीनों दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में दुकान के अंदर भारी मात्रा में फॉल सीलिंग का कबाड़ भरा था, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गया।हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। वहीं शुरूआती जांच में विद्युत शार्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस और फायर टीम मामले की जांच कर रही है।

संपूर्ण समाधान दिवस में गूंजे जनसमस्याओं के मुद्दे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। तहसील सभागार मलिहाबाद में शनिवार को एडीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई गईं। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। समाधान दिवस में तिरगवां गांव निवासी मुजम्मिल, दानिश, जीशान, अनीस, आदिल, उमेश और नफीस ने शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के बाहर संचालित एक मुर्गी फार्म में करीब 20 हजार मुर्गियां रखी गई हैं। आरोप है कि फार्म से निकलने वाली दुर्गंध तथा मक्खी-मच्छरों के अत्यधिक प्रकोप से ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि इससे क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है और लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की। वहीं अधिवक्ता जय कुमार, शशिकांत मिश्रा समेत अन्य अधिवक्ताओं ने शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि ग्राम हटौली निवासी गंगा प्रसाद पिछले लगभग 12 वर्षों से तहसील में विभिन्न पदों पर तैनात रहे हैं और वर्तमान में एसडीएम के पेशकार पद पर कार्यरत हैं। अधिवक्ताओं ने निष्पक्ष प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उनका स्थानांतरण किए जाने की मांग की। आरोप लगाया गया कि न्यायालय संबंधी कार्यों में अनुचित लाभ लेने तथा अपने परिचितों को फायदा पहुंचाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसके अलावा अधिवक्ता प्रवेश सिंह ने नबीपनाह गांव स्थित गाटा संख्या 259, रकबा 0.051 हेक्टेयर भूमि से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उक्त भूमि पर राजकीय कृषि बीज भंडार निर्मित है तथा वह भूमि के सह-खातेदार हैं। उनका कहना है कि पूर्वजों द्वारा यह भूमि दान किए जाने की बात कही जाती है, लेकिन पुराने अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं। वर्ष 1960 में निर्माण कराए जाने के साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि विभाग उक्त भूमि पर अधिकार जताने का प्रयास कर रहा है और मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की।

एसडीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर तहसील में शनिवार को एसडीएम अंकित शुक्ला की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। जिसमें भूमि विवाद, अवैध कब्जा व दाखिल-खारिज संबंधी कई शिकायतें दर्ज हुईं। संपूर्ण समाधान दिवस में गौरी निवासी सुधीर कुमार यादव ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि उनकी भूमि खसरा संख्या 711, 712 और 713 पर मोहित यादव, देवेश यादव और अभिषेक मिश्रा अपने साथियों के साथ मिलकर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी रास्ता बंद कर रहे और विरोध करने पर मारपीट भी करते हैं। उसका आरोप है कि संबंधित लोग सरकारी भूमि पर कब्जा कर प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं और उनके खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। पीड़ित ने जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। इसी तरह अधिवक्ता अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बंथरा थाना क्षेत्र के गोंदौली निवासी प्रदीप कुमार के मामले में शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित लेखपाल आजाद वर्मा पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। अनिल का आरोप है कि लेखपाल द्वारा दाखिल-खारिज प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक पत्रावली पर पांच हजार रुपये के हिसाब से कुल 15 हजार रुपये की मांग की गई। आरोप है कि रुपये न मिलने पर अभिलेखों में गलत टिप्पणियां दर्ज कर दाखिल-खारिज प्रक्रिया प्रभावित की गई। साथ ही भूमि के अभिलेखों में भ्रामक विवरण दर्ज किए जाने का भी आरोप लगाया। वहीं बिजनौर क्षेत्र के नटकुर स्थित मुल्लाही खेड़ा निवासी बुजुर्ग विधवा महिला प्यारा ने अपने पुश्तैनी मकान और भूमि विवाद को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन की निशानदेही के दौरान कुछ लोगों ने गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। इसी प्रकार बेहटवा निवासी साहिल उर्फ लल्लन ने भी शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि उनकी भूमि पर एटीएस कर्मियों द्वारा जबरन पिलर लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सक्षम अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर भूमि का चिन्हांकन कराने की मांग की। इसके अलावा अन्य कई फरियादियों ने भी अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। फिलहाल संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

गैस सिलेंडर में आग लगने से आधा दर्जन से अधिक लोग झुलसे

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में शुक्रवार को शादी वाले घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगने से आधा दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। सभी को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। लेकिन दूल्हे का बड़ा भाई अधिक गंभीर होने के कारण उसे पल्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सरोजनी नगर के गहरु स्थित गंगादीन खेड़ा निवासी हरिश्चंद्र यादव के बेटे अमरेंद्र की शुक्रवार शाम माल थाना क्षेत्र के मनभौना गांव बरात जानी थी। इसके लिए हरिश्चंद्र यादव के घर पर रिश्तेदार आए हुए थे। उन्हीं के लिए दोपहर को हरिश्चंद्र के घर में महिलाएं खाना बना रही थी। तभी दोपहर करीब डेढ़ बजे खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। सिलेंडर से आग की तेज लपटें उठते ही हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि बाद में लोगों ने सिलेंडर के ऊपर पानी से भीगी बोरी फेंक कर किसी तरह आग बुझा दी। वहीं आग की चपेट में आकर महिला श्रीमती, उर्मिला, शिवकुमारी, आशा, पुष्पा और सीमा झुलस गई। दूल्हे अमरेंद्र का बड़ा भाई व हरिश्चंद्र का बेटा नीरज (33) और एक अन्य युवक प्रिन्स आग बुझाने दौड़े तो वह भी आग की चपेट में आ गये। बाद में सभी को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। लेकिन नीरज की हालत अधिक गंभीर होने के कारण उसे वहाँ से रिफर कर रायबरेली रोड के वृंदावन कॉलोनी स्थित पल्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां आईसीयू में उसका इलाज जारी है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि हरिशचंद के घर में कल शादी थी। जिसको लेकर महिलाएं घर में खाना बना रही थी। तभी अचानक आग लग गई। इसमें हरिशचंद का बेटा गंभीर रूप से झुलस गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज जारी है।

आउटसोर्स को सेवा निगम के अंतर्गत लाया जाये : संघर्ष समिति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा 18 जून, 2026 को जारी उस आदेश पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, जिसमें कहा गया है कि जून माह का भुगतान जुलाई में केवल आउटसोर्स पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा है कि उक्त आदेश के विभिन्न बिंदुओं का अध्ययन करने से यह आशंका उत्पन्न होती है कि पोर्टल पर दर्ज नामों एवं वास्तविक रूप से कार्यरत संविदा कर्मियों के बीच किसी भी प्रकार की विसंगति का बहाना बनाकर बड़ी संख्या में संविदा कर्मियों को भुगतान से वंचित किया जा सकता है अथवा उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि जिन संविदा कर्मियों का नाम किसी कारणवश पोर्टल पर दर्ज नहीं है अथवा जिनकी उपस्थिति ऐप के माध्यम से दर्ज नहीं हो पा रही है, उन्हें भुगतान न किए जाने और कार्य से हटाए जाने का खतरा पैदा हो गया है। यह स्थिति हजारों संविदा कर्मियों और उनके परिवारों के समक्ष गंभीर आजीविका संकट खड़ा कर सकती है। संघर्ष समिति ने कहा कि प्रदेश में पहले ही संविदा कर्मियों की भारी कमी के कारण विद्युत व्यवस्था गंभीर दबाव में है। अनेक स्थानों पर कर्मचारियों की कमी के चलते उपभोक्ताओं का आक्रोश बढ़ रहा है तथा कर्मचारियों के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसी परिस्थिति में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के बजाय प्रबंधन का ध्यान संविदा कर्मियों की संख्या और कम करने पर केंद्रित दिखाई दे रहा है।

गोवा में दिखा यूपी का दम, वैश्विक कंपनियों ने दिखाई रुचि

अमन लेखनी समाचार

गोवा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने गोवा में आयोजित 'मशीनकॉन जीसीसी समिट 2026' में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए खुद को देश के सबसे आकर्षक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब के रूप में पेश किया। समिट में देशविदेश के जीसीसी प्रमुखों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के समक्ष राज्य के तैयार इकोसिस्टम का रोडमैप साझा किया गया। समिट में मुख्य वक्तव्य देते हुए अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज सुशासन और तीव्र इंफ्रास्ट्रक्चर के बल पर अभूतपूर्व आर्थिक बदलाव का साक्षी बन रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति 2024 को देश की सबसे प्रतिस्पर्धी नीतियों में से एक बताते हुए कहा कि यह नीति कंपनियों को स्थापना से लेकर विस्तार तक हर चरण में सहयोग प्रदान करती है। नीतियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इसके तहत निवेशकों को 25 प्रतिशत तक पूंजीगत अनुदान, परिचालन व्यय सहायता, भूमि प्रोत्साहन, पेरोल सहायता तथा स्टाम्प शुल्क में भारी छूट जैसे प्रावधान उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, नई बिजनेस पार्क्स नीति के माध्यम से सरकार और डेवलपर्स मिलकर विश्वस्तरीय वर्कस्पेस तैयार कर रहे हैं। वर्तमान में नोएडा ज्ञान-आधारित उद्योगों का गढ़ बन चुका है, जबकि लखनऊ और कानपुर नए तकनीकी केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। प्रतिभा और एआई बनेंगे अगली विकास यात्रा के आधार : टैलेंट ऐज ए ग्रोथ लीवर विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने राज्य की प्रतिभा क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 8,000 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान हैं, जिनमें आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू, ट्रिपल आईटी और आईआईएम लखनऊ जैसे प्रतिष्ठित केंद्र शामिल हैं। राज्य हर वर्ष 2 लाख से अधिक एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) स्नातक तैयार करता है, जो वैश्विक कंपनियों को कुशल वर्कफोर्स प्रदान करते हैं।

संक्षेप

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शनिवार की सुबह एक आम के बाग में युवक का शव पेड़ की डाल से लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के कुसैला गांव निवासी राकेश का 20 वर्षीय पुत्र रामप्रताप गांव के बाहर स्थित अपने आम के बाग में पेड़ की डाल से फंदे पर लटका मिला। ग्रामीणों ने जब शव को देखा तो इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजन शव को देखकर बदहवास हो गए और उनकी चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। मृतक दो भाइयों और दो बहनों में तीसरे नंबर का था। उसकी मां सुनीता, बड़े भाई रामप्रकाश, बड़ी बहन रामदेवी तथा छोटी बहन शिवदेवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि मृतक की जेब से एक महिला का फोटो मिलने की चर्चा है, जिसके आधार पर प्रेम प्रसंग की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक व महिला घायल

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर एक सड़क हादसे में एक महिला और बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पार कर रही महिला को बाइक ने टक्कर मार दी। दोनों घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से बाइक चालक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे हुई। मियागंज निवासिनी 40 वर्षीय सीमा पत्नी स्व. राजेश सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अमोइया गांव निवासी 54 वर्षीय दीपचंद पुत्र राम नारायण अपनी बाइक से रिश्तेदारी में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने पेसारी गांव जा रहे थे। सड़क पार करते समय सीमा और दीपचंद की बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस चालक रामसिंह और ईएमटी बुद्धरतन मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को एंबुलेंस की मदद से मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी में डॉ. दिनेश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद दीपचंद की गंभीर हालत को देखते हुएउन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे 225 मामले, 25 का मौके पर निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 225 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 25 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।समाधान दिवस में ग्राम पंचायत बृजपालपुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता शिवलखन सिंह ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव की आबादी के बीच स्थित तालाब में पूरे गांव का पानी एकत्रित होता था, लेकिन करीब एक दर्जन लोगों ने उस पर अवैध कब्जा कर कूड़ा-करकट डालकर उसे पाट दिया है। जिसके चलते घरों में इस्तेमाल किए जाने वाला पानी सड़कों पर भर जाता है, और बारिश में तो बहुत ही गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने तालाब को कब्जामुक्त कराए जाने की मांग की।

वहीं रज्जबखेड़ा मजरा सैता निवासी मूलचंद्र ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह अनुसूचित जाति वर्ग से हैं और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनकी 32 वर्षीय पुत्री माया नेत्रहीन दिव्यांग है तथा परिवार कच्चे मकान में रह रहा है। उन्होंने पुत्री के लिए आवास योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की। दूसरी ओर दोस्तपुर शिवली निवासी तेजपाल सिंह ने बताया कि उनके गांव में आटा चक्की का कारखाना है, जिसमें 16 केवी का विद्युत कनेक्शन है। मार्च 2024 में बिजली का बिल अत्यधिक आ गया था। उन्होंने सीडीओ तथा अधिशासी अभियंता (बांगरमऊ) सहित कई अधिकारियों को लिखित शिकायत दी, लेकिन अभी तक बिल में संशोधन नहीं किया गया है। उनका कहना है कि गलत बिल के कारण वह भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में कई बार सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की जा चुकी है, फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

समाधान दिवस में विभागवार प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 66 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 9 का मौके पर निस्तारण किया गया। पुलिस विभाग की 44, समाज कल्याण विभाग की 14 शिकायतों में से 6 का निस्तारण मौके पर किया गया। विकास विभाग की 33, विद्युत विभाग की 16, पूर्ति विभाग की 13 शिकायतों में से 4 का निस्तारण मौके पर किया गया, जबकि अन्य विभागों से संबंधित 39 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने शेष सभी मामलों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक बम्बालाल दिवाकर, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अजय कुमार शर्मा, एस ओ सी (चकबंदी) रामदेव निषाद, उपजिलाधिकारी शिवेंद्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी न्यायिक देवेंद्र प्रताप सिंह आदि सहित जिलास्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहे।

पुल की जद में आ रहे मकानों को हटाने का कार्य जारी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज में गंगा नदी पर प्रस्तावित नए पुल के निर्माण के लिए प्रशासन ने मिश्रा घाट क्षेत्र में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुल की जद में आ रहे मकानों को हटाने का काम जारी है। शनिवार को एक मकान को ध्वस्त किए जाने के दौरान, वहां रहने वाले लोगों ने मुआवजे का भुगतान न होने का आरोप लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की। मिश्रा घाट निवासी ललिता देवी ने बताया कि उनका मकान भी पुल निर्माण की सीमा में आ रहा है, लेकिन उन्हें अभी तक मुआवजे की राशि नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के कई अन्य लोगों को मुआवजा मिल चुका है, जबकि उनका भुगतान अभी भी लंबित है।मिश्रा घाट निवासी ललिता देवी ने बताया कि उनका मकान भी पुल निर्माण की सीमा में आ रहा है, लेकिन उन्हें अभी तक मुआवजे की राशि नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के कई अन्य लोगों को मुआवजा मिल चुका है, जबकि उनका भुगतान अभी भी लंबित है। ललिता देवी ने यह भी बताया कि उनके मकान को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उनके अनुसार, मुआवजे की राशि लगभग पौने तीन लाख रुपये अरुण के नाम से स्वीकृत हुई है, लेकिन उन्हें इसका लाभ नहीं मिला है।उन्होंने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा कि उनके तीन बच्चे हैं और मकान टूटने के बाद उनके सामने रहने की बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जब तक मुआवजे की समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक उन्हें राहत प्रदान की जाए। वहीं, प्रशासन की ओर से पुल निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने के लिए अतिक्रमण और निर्माण की जद में आ रहे मकानों को हटाने की प्रक्रिया की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जिन लोगों के मकान और जमीन परियोजना की सीमा में आ रहे हैं, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जा रहा है।नवान पुल कानमाण स शुक्लागज जार जासपास क क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार की योजना है। प्रशासन निर्माण कार्य की लगातार निगरानी कर रहा है। हालांकि, मुआवजे को लेकर कुछ स्थानीय लोगों की शिकायतों के बाद प्रभावित परिवारों में असंतोष भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों की मांग है कि सभी प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए ताकि उन्हें विस्थापन के दौरान परेशानी न हो।

हनुमान मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। ज्येष्ठ माह के शनिवार को मियागंज-सफीपुर मार्ग स्थित गौरी गांव के हनुमान मंदिर परिसर में गांव निवासी समाजसेवी अमित कुशवाहा द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में क्षेत्र के श्रद्धालुओं के साथ-साथ मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने भी पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को छोला-पूड़ी, चावल एवं शरबत का वितरण किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता करते हुए धार्मिक आस्था का परिचय दिया।

समाजसेवी अमित कुशवाहा ने बताया कि ज्येष्ठ माह में भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त करने और जनसेवा की भावना से भंडारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उनके साथ प्रतिमाह श्री खाटू श्याम बाबा के दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों ने भी मंदिर पहुंचकर प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

भंडारे के दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सिल्ट सफाई के नाम पर सिर्फ हो रही खानापूर्ति

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज सिटी ड्रेन नाले की सिल्ट सफाई के नाम पर महज खानापूर्ति कर सरकारी धन का आहरण किया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि नाले से निकाला जा रहा कचड़ा उसी के किनारे डंप किया जा रहा है जो मानसून की पहली ही बरसात में फिर नाले में बहकर चला जाएगा।जिससे पिछले वर्षों की भांति पुनः नाले के उफनाने से अन्नदाताओं द्वारा बोई गई फसलें गंदे नाले के पानी में डूब कर बर्बाद हो जाएगी।

उन्नाव शहर से निकला गंदा नाला विकासखंड सिकंदरपुर कर्ण के दर्जनों गांवों से होते हुए 31 किमी दूर कोलुहागाड़ा निकट गंगा नदी में गिर रहा है। सिटी ड्रेन नाले की चौड़ाई 12 मीटर है गत एक पखवाड़े से पोकलैंड मशीन से उसकी सिल्ट सफाई की जा रही है। घासिल पुरवा, छड़उआ खेड़ा, भीट, बैरागर, टिकरी, पदमरा, सुपासी ,नया खेड़ा, बंथर, गांवों के ग्रामीण राम खेलावन निषाद, टिंकू पंडित, पंकज बलाई, पप्पू, रामनरायण, बीडीसी सोनू यादव सुपासी, का आरोप है कि नाला सफाई के नाम पर महज खाना पूर्ति की जा रही है नाले से निकाली जा रही सिल्ट उसी के किनारे जमा कर देने से फिर बहकर उसी में चली जाएगी। नाले को मानक के विपरीत खुदाई किए जाने से खेतों में जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिल पाएगी।नाले की खुदाई करा रहे ठेकेदार का कहना है कि कुछ गांवों के ग्रामीण खुदाई अधिक गहराई तक करने से मना कर रहे है क्योंकि उनका कहना है कि अधिक गहराई तक खुदाई होने से हैडपंप का पानी दूषित निकलने लगता है जो पीने योग्य नहीं रहता है। नाला खुदाई के संबंध में सिंचाई विभाग के जेई उमाकांत से दुरभाष से संपर्क करने पर उनसे वार्ता नहीं हो पाई है।

जनगणना प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को डीएम ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। देश भर में विभिन्न जिलों में सफलतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से मकान सूचीकरण और भवन गणना का काम पूरा करने वाले जनगणना प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जिलाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जा रहा है इसी कड़ी में सफीपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरो को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित कियोतहसील सभागार में हुए समारोह में प्रगणक अमित तिवारी, आलोक बाजपेई, पवन गुप्ता, अर्पित तिवारी आदि को जनगणना के प्रथम चरण में जनपद में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करते हुए जिलाधिकारी ने विकास खंड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की भी सराहना करते हुए कहा कि सभी के समर्पण, परिश्रम एवं कर्तव्यनिष्ठा के कारण जनगणना कार्य निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत पूर्ण हो सका है। उन्होंने सभी कर्मियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने तथा शासन की प्राथमिकताओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने के लिए प्रेरित किया। समारोह में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ,उपजिलाधिकारी शिवेंद्र वर्मा, तहसीलदार देवेन्द्र यादव , पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ,विधायक बंबा लाल दिवाकर, बीएसए शैलेश पांडेय, बीईओ अनीता साह, बीडीओ श्वेता त्रिपाठी सहित कई अन्य लोग भी मौजूद रहे

ऐतिहासिक किले तक बस सेवा का किया गया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के बक्सर ग्राम स्थित डौंडिया खेड़ा स्थित अमर शहीद राजा राव राम बक्स सिंह जी के ऐतिहासिक किले तक बस सेवा का शुभारंभ शनिवार को बैसवारा क्षेत्रीय कल्याण समिति द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समिति निरंतर डौंडिया खेड़ा क्षेत्र के विकास हेतु प्रयासरत है तथा आने वाले समय में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक नई योजनाओं एवं प्रयासों को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमर शहीद राजा राव राम बक्स सिंह जी के गौरवशाली इतिहास एवं उनके अद्वितीय बलिदान को जन-जन तक पहुँचाना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में समिति के महामंत्री हरिओम सिंह ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बैसवारा क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास को नई गति मिली है। जल्द ही बलिया जिले के साथ इस स्थल के लिए भी सौ करोड़ का बजट जारी होने की उम्मीद जताई। बक्सर घाट से डौंडियाखेड़ा तक नाव द्वारा वोटिंग कर पर्यटक यहां के किले व शिव मंदिर का दर्शन आसानी से कर सकेंगे। पुष्प फाउंडेशन के अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने उन्नाव में राजा राव राम बक्स सिंह की प्रतिमा की स्थापना के साथ उन्नाव जिले का नाम बदल बैसवारा जिला करवाने की बात कही इस शुभ अवसर पर परिवहन विभाग के ए.आर.एम. जी.सी. वर्मा, सतीस कुमार बाजपेयी, राज बक्स सिंह, राम जी यादव इकबाल सिंह, शैलेन्द्र सिंह, राघवेंद्र सिंह (राघव), माधव सिंह, अखिलेश वर्मा, शिव मिलन, बस चालक मनोज कुमार दुबे एवं परिचालक संजय कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार चाचा भतीजे की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। मजदूरी कार्य हेतु जा रहे बाईक सवार चाचा भतीजे की एक्सप्रेसवे मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई हादसे की सूचना पर पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया गया।

गोपाल सिंह 48 वर्ष पुत्र धोबीराम निवासी कैलाशपुर थाना मनिया जनपद धौलपुर राजस्थान अपने भतीजे शिवा 19 वर्ष पुत्र मंगल सिंह के साथ बाइक द्वारा आगरा से लखनऊ की तरफ जा रहा था तभी शनिवार को दोपहर बाद करीब 4 बजे बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव शादीपुर के निकट उधर से गुजरे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे के बाद दोनों को यूपीडा टीम के सहयोग से बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहा के डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।अस्पताल की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा गया।

थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया है दो लोगो की मौत हुई है परिजनों को सूचना दी गई है अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चाचा गोपाल सिंह व भतीजा शिवा दोनों लोग टाइल्स पत्थर लगाने का कार्य करते है कहा जा रहा है काम के सिलसिले से ही जा रहे थे तभी हादसे में दोनो की जान चली गई।

बाइक पर चाचा भतीजे दो लोग ही सवार थे दोनों की दुर्घटना में जान चली गई जिससे यूपीडा टीम ने दोनों को अज्ञात में ही अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद पुलिस ने किसी तरह दूरभाष से संपर्क स्थापित कर परिजनों से बातचीत कर उनकी पहचान की तथा घटना की जानकारी दी।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के पिड़हरी गांव में शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव खेत में पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान पिड़हरी गांव निवासी 45 वर्षीय सुशील कुमार उर्फ सीलू पुत्र लाल बहादुर के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह करीब चार बजे गांव के बाहर खेत में पेड़ से उनका शव लटका देखा। इसके बाद उन्होंने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। परिवार में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि सुशील कुमार पिछले कुछ समय से बीमारी से पीड़ित थे। प्रारंभिक आशंका है कि इसी परेशानी के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। सुशील कुमार के परिवार में चार बेटे हैं, जिनमें से दो विवाहित हैं। इस आकस्मिक घटना से परिवार सदमे में है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अजगैन कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सुशील कुमार शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और अपनी बीमारी को लेकर काफी परेशान रहते थे। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

पांच वर्षों से बंद पड़ा पशु चिकित्सालय खंडहर में हुआ तब्दील

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। विकास खंड की नगर पंचायत भगवंत नगर में सरकारी पशु चिकित्सालय पिछले 4-5 वर्षों से बंद पड़ा है। आदर्श नगर पंचायत कार्यालय के ठीक बगल में स्थित यह अस्पताल अब खंडहर में तब्दील हो चुका है। इमारत पूरी तरह जर्जर है और चारों ओर जंगली झाड़ियाँ उग आई हैं, जिससे यह सांप-बिच्छुओं का अड्डा बन गया है।

क्षेत्र के पशुपालकों और किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि अस्पताल 4-5 साल से पूरी तरह बंद है। इसकी छतें और दीवारें गिर रही हैं। जब भी कोई मवेशी बीमार होता है, तो उन्हें इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। गरीब किसान निजी डॉक्टरों की महंगी फीस नहीं दे पाते, जिससे समय पर इलाज न मिलने के कारण उनके दुधारू और कीमती जानवर दम तोड़ देते हैं। यही हाल सुमेरपुर पशु चिकित्सालय का है। खारझारा पशु चिकित्सालय के डॉ रामजीत ने बताया सुमेरपुर व खरझारा दोनो अस्तपतालो को देखना पड़ रहा है। भगवंत नगर निबासी दीपक नारायण सोनी ,राजा , शिव, प्रभांशु बाजपेयी, विनय और ने जिला प्रशासन और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से मांग की है। उन्होंने सालों से बंद पड़े अस्पताल की इमारत का जल्द पुनर्निर्माण और यहां नियमित डॉक्टरों की तैनाती की अपील की है, ताकि किसानों को पहले जैसी सुविधाएँ मिल सकें। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। डॉ. कपिल पटेल क्षेत्रीय अधिकारी (सुमेरपुर), ने बताया कि प्रमुख सचिव महोदय को नई बिल्डिंग के निर्माण का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। पूरी उम्मीद है कि इसी वित्तीय सत्र में बजट रिलीज हो जाएगा। भगवंत नगर अस्पताल में पशुधन प्रसार अधिकारी (LEO) का पद रिक्त है, क्योंकि क्षेत्र में सेंटर्स अधिक हैं और एलईओ की कमी है। फिलहाल किसानों की समस्या को देखते हुए किसी अन्य सेंटर के एलईओ को हफ्ते में दो दिन नजदीकी प्राइवेट / अस्थायी भवन में बैठने के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मां की मौत, बेटा घायल

हादसा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पुत्र के साथ ननद के घर जा रही बाइक सवार महिला की ट्रेक्टर की टक्कर लगने से मौत हो गई जबकि घायल बेटे को बांगरमऊ से रेफर कर दिया गया।

थानाक्षेत्र फतेहपुर चौरासी के गांव गुरदासपुर निवासी 45 वर्षीय गुड्डी पत्नी रामदुलारे अपने 17 वर्षीय पुत्र लवकुश के साथ बाइक से मल्लावां क्षेत्र निवासिनी ननद के घर जा रही थी तभी शनिवार की सुबह पहर करीब 9:00 बजे बांगरमऊ नगर के माढ़ापुर रोड पर एक शराब दुकान के करीब उधर से गुजर रहे तेज गति ट्रेक्टर ने टक्कर मार दी इस हादसे के दौरान महिला पहियों की चपेट में आकर बुरी तरह लहूलुहान हो गई घटना के बाद उसे बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहा डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल बेटे को रेफर कर दिया गया।

मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा सूचना पर पहुंची बांगरमऊ पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया है।

आगे जा रहे डंपर में पीछे से घुसा दूसरा डंपर परिचालक की मौत चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में नवाबगंज टोल प्लाजा के पास चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सामने शुक्रवार को दो डंपरों की आमने-सामने नहीं बल्कि पीछे से हुई जोरदार टक्कर में एक कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, आगे चल रहे डंपर में पीछे से आ रहे एक अन्य डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे वाले डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में डंपर के कंडक्टर आलोक उर्फ जीतू (पुत्र अशोक तिवारी), निवासी कथेरवा, कानपुर नगर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं डंपर चालक अशोक (पुत्र सुखदेव), निवासी कथेरवा, कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे कराकर यातायात शुरू कराया।

ससुराल वालों ने युवक को लाठी डंडों से जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के मिट्ठू खेड़ा गांव निवासी लुकमान पुत्र अलीशेर ने शनिवार पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि वह शुक्रवार को अपनी ससुराल हरदोई जनपद के कासिमपुर थाना क्षेत्र के गांव मांड़र अपनी पत्नी हसीबन से हुए विवाद का सुलह-समझौता कर शुक्रवार रात करीब आठ बजे अपने भतीजे यूनुस पुत्र रहीश के साथ बाइक से अपने घर लौट रहा था तभी मांड़र गांव निवासी हसीब, हफीज पुत्रगण शरीफ व शानू पुत्र अनीस तथा शरीफ पुत्र शेर अली बाइक से पीछा करते हुए शेरपुर कला कुरसठ संपर्क मार्ग पर स्थित गांव महमदखेड़ा के पास युनुस के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया चीख-पुकार सुनकर आप-पास के लोग मौके पर पहुंचे तब उपरोक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद यूनुस की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

ईरान को धमकी देने से बाज आएं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान को धमकी देने पर उतर गए हैं। उन्होंने कहा कि समझौता अभी फाइनल नहीं हुआ है। अगर ईरान समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता, तो अमेरिका फिर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अगर उन्होंने ठीक से व्यवहार नहीं किया, तो हम फिर बम बरसाएंगे। हालांकि ट्रंप द्वारा इस तरह की धमकी देना कोई नई बात नहीं है। पिछले करीब साढ़े तीन महीनों में ट्रंप ऐसी धमकियां कई बार दे चुके हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि हम आज रात सबसे बड़ा हमला करने जा रहे हैं। हम एक पूरी सभ्यता को ही मिटाने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का ऐसा व्यवहार राजनयिक हलकों में अजीब कहा जा सकता है। यह उनकी अस्थिर मानसिकता और अस्थिर नीतियों को ही उजागर करता है। विश्व राजनीति में किसी भी बड़े देश के नेता के शब्दों का विशेष महत्व होता है। ऐसे में जब कोई राष्ट्रपति खुले तौर पर किसी देश को बार-बार धमकी देता है, तो इससे तनाव कम होने के बजाय और बढ़ सकता है। कूटनीति का मूल सिद्धांत संवाद, संयम और विश्वास निर्माण होता है, जबकि लगातार धमकियां देना इन सिद्धांतों के विपरीत माना जाता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों में ट्रंप की शैली को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से ट्रंप की गंभीरता पश्चिम एशिया समेत पूरी दुनिया में कम हुई है। इस युद्ध को रोकने के लिए ईरान कभी आतुर नहीं दिखा। उसने ट्रंप के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही। अमेरिका ने जब भी ईरान पर हमला किया उसने करारा जवाब दिया और उसके कई एयरबेस तक ध्वस्त कर दिए। अंत में ट्रंप को खुद ही समझौते का ऐलान करना पड़ा। विशेषज्ञों व रणनीतिकारों का कहना है कि इस युद्ध ने जहां अमेरिका की कमजोरी को दुनिया के सामने ला दिया है, वहीं ईरान की मजबूती को भी दिखाया है कि वह अमेरिका से कमजोर नहीं है और झुकने वाले नहीं हैं। ईरान समझौते में भले ही परमाणु बम नहीं बनाने की बात स्वीकार कर ले, लेकिन उसके हाथ हार्मुज के रूप में एक ऐसा हथियार है जो परमाणु बम से भी खतरनाक है और पूरी दुनिया को हिलाने की क्षमता रखता है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महंगाई जैसी समस्याएं वैश्विक स्तर पर पैदा हो सकती हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अमेरिका और ईरान दोनों ही संयम का परिचय दें। धमकियों और शक्ति प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण विश्वास बहाली और संवाद की प्रक्रिया है। यदि समझौता हुआ है तो उसे सफल बनाने के लिए दोनों पक्षों को जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विश्व समुदाय भी यही चाहता है कि पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो, समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल न मंडराएं। राष्ट्रपति ट्रंप को भी समझना होगा कि स्थायी समाधान धमकियों से नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद से निकलता है। इसलिए उन्हें ईरान को बार-बार धमकी देने के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। कुल मिलाकर अब ट्रंप के हाथ से बाजी निकल चुकी है। अब उनको अपनी इज्जत बचाने के लिए इस युद्ध को खत्म कर लेना चाहिए। ट्रंप को अब ईरान को धमकी देने से बाज आना चाहिए। चूंकि पूरी दुनिया भी शांति चाहती है। सबको होर्मुज के खुलने का इंतजार है।

मंथन

विवेक मिश्रा

अमेरिका के प्रति भारत की शिखरस्थ सहिष्णुता, एक राष्ट्र के रूप में हमारे स्वाभिमानी स्वायत्तता के सिद्धांतों को चुनौती दे रही है। प्लाऊ के झंडे तले परिचालन करने वाले वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी नौसेना का हमला हुआ, जिसके चालक दल में सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई। साल की शुरुआत में रूस के झंडे तले चलने वाले ' बेला वन ' नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने अपने हेलीकॉप्टर उतार जब्तीकरण की कार्रवाई की थी। भारत को स्वसीमित हितों से ऊपर राष्ट्रीय स्वाभिमान का एकस्वर आह्वान करना होगा। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की हमारी सांस्कृतिक सीख को हमें चरितार्थ करना होगा। संपूर्ण जगत जिसे हम परिवार मानते हैं, उसे युद्धस्थ अराजकता के अंध से सहोदय के विश्व बंधुत्व में ज्योतिर्मय करना होगा।

अमेरिकी मित्रता में डूबता भरोसे का जहाज

अमेरिका के प्रति भारत की शिखरस्थ सहिष्णुता, एक राष्ट्र के रूप में हमारे स्वाभिमानी स्वायत्तता के सिद्धांतों को चुनौती दे रही है। प्लाऊ के झंडे तले परिचालन करने वाले वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी नौसेना का हमला हुआ, जिसके चालक दल में सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई। साल की शुरुआत में रूस के झंडे तले चलने वाले ' बेला वन ' नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने अपने हेलीकॉप्टर उतार जब्तीकरण की कार्रवाई की थी। आरोप था, रूस का यह जहाज वेनेजुएला के लिए प्रतिबंधित तेल को ले जा रहा था। इस जहाज और चालक दल पर गोलीबारी कर हिंसक कार्रवाई नहीं की गई थी, बल्कि कैप्टन को छोड़ बाकी सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित वापसी अमेरिका ने सुनिश्चित की। रूसी झंडे की महत्ता ने न केवल सैन्य मुठभेड़ को दरकिनार किया, बल्कि चालक दलों को भी सुरक्षित रखा। इस घटना के बाद समुद्री जलमार्गों में शैडो फ्लीट या गुप्त जहाजी बेड़ों की आवाजाही भारी मात्रा में बढ़ी है।

दरअसल प्रत्यक्ष विवादों व प्रतिबंधों से बचने के लिए और कम लागत, सस्ते शुल्क तथा शिथिल नियमों का लाभ उठाने के लिए विश्व के कई देश समुद्री आवागमन के लिए सुविधाजनक राष्ट्र ध्वजों का वरण करते हैं। व्यापारिक दृष्टि से अपनाई गई यह सुविधा, जहाजों पर तैनात चालक दलों की दुविधा का बड़ा कारण बनती है और अब यह उनके जीवन को भी लील रही है। युद्ध और तनावपूर्ण स्थितियों में लिप्त पक्षों के सरलतम मारक लक्ष्यों में यह गुप्त जहाज बेड़े होते हैं। चूंकि बड़ी आर्थिक शक्तियां जो अक्सर ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था को अपनाती हैं, वृहद हितों व प्रतिष्ठा को ऊपर रखते हुए, सीधे संघर्ष और उत्तरदायित्व से बचना पसंद करती है। जबकि युद्धरत पक्षों के लिए ऐसे हमले विश्वस्तर पर सैन्य प्रवीणता सिद्ध करने का जरिया बनते है। भारतीय जीवन निधि पर किए गए अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद भारत सरकार की प्रतिक्रिया कूटनीतिक प्रोटोकॉल आधारित रही, जिसमें कार्यवाहक राजदूत जैसन मिक्स को दो बार तलब कर कड़ी निंदा की गई। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के अनुच्छेद 38 के अनुसार, सभी जहाजों और विमानों को ट्रांजिट पैसेज का अधिकार है, अनुच्छेद 17 के अनुसार, सभी विदेशी जहाजों को किसी भी देश के जलक्षेत्र में आवाजाही का अधिकार है। ऐसे में ग़ैर-युद्धरत जहाजों को निशाना बनाना पूर्णतः अवैध है। इसके खिलाफ हमें अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को तलब कर सख्ती से माफी व मुआवजे की मांग रखनी चाहिए। आवश्यकता अनुसार हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। फारस की खाड़ी और होर्मुज में अमेरिका के द्वारा खड़ी की गई नाकाबंदी के बाद से शैडो फ्लीट समेत लगभग 200 वाणिज्यिक जहाजों को गुप्त रूप से रास्ता देने का दावा खुद ट्रंप कर रहे थे। यही नहीं अमेरिका ने जहाजों के गोपनीय परिवहन के लिए लोकेशन बंद करने की तकनीक और ओमान के तटीय क्षेत्र से गुजरने के मार्ग भी सुझाए। अब जो जहाज इस माहौल में परिवहन संचालन करते हों, उन्हें अचानक निशाने पर लेना स्पष्ट करता है कि अमेरिका समुद्री परिवहन में भी वही भ्रम की स्थितियां पैदा कर रहा है, जो

भारत के रूस से तेल खरीदने पर करता है। तेल की वैश्विक आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए युद्धकाल में रूसी तेल क्रय को प्रोत्साहित करना और निज हित सधते ही, वही रूस का तेल खरीदने पर टैरिफ थोपना। आज भारत को आवश्यकता है कि इस अमेरिकी पटकथा का यथोचित रहस्योद्घाटन करे। भारतीय विदेशमंत्री विश्व पटल पर इसका मुखर उल्लेख तो करते हैं, लेकिन नायक की तरह इस पटकथा का अंत नहीं कर पा रहे हैं। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए अमेरिका आधारित नीतियों पर निर्भरता को खत्म कर के ही, हम राष्ट्रीय गौरव व नागरिक सम्मान को बनाए रख सकेंगे। हमें, अमेरिका को सहयोगी व साझेदार के रूप में देखने के फितूर से बाहर निकलना होगा, इस बात की प्रतीक्षा भी निरर्थक ही है कि अमेरिकी नेतृत्व के बदलने से समीकरणों में कुछ विशेष अंतर आएगा।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री के बयान से यह स्पष्ट होता है, जो कहते हैं- हम समझौतों को लेकर भारत के साथ वह गलती नहीं करेंगे, जो 20 साल पहले चीन के साथ की थी। उनकी यह बात चीन को दी गई तकनीकी सहायता और बाजारों तक उन्नत पहुंच को लेकर थी, जिसने चीन को आज अमेरिका के समकक्ष खड़ा कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ हो या हार्मूज की नाकेबंदी, चीन ने सीना तान अमेरिका को चुनौती पेश की है। टैरिफ के बदले टैरिफ, दुर्लभ खनिज के निर्यात पर प्रतिबंध, ताइवान पर सीधे चेतावनी और ईरान से पाकिस्तान के रास्ते निरंतर तेल आयात, यह सभी वो कदम हैं जो अमेरिकी साम्राज्य को स्पष्ट चुनौती देते हैं।

चीन यह समझता था कि उस दौर में अमेरिका से सीधा संघर्ष उसकी अर्थव्यवस्था और विकास लक्ष्यों को आहत करेगा, फलस्वरूप उसने भी सहिष्णुता के उन रास्तों को अपनाया, जो आज भारत अपना रहा है। भारत के लिए यह चुनौती दोहरी हो जाती है , अमेरिका और चीन दोनों भारत को तीसरी महाशक्ति बनने से रोकना चाहते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की अगुवाई में आज भारत अतुलनीय कार्य कर रहा है, कई सामरिक महत्व की निर्माण योजनाएं कार्य कर रही हैं। अंतरिक्ष में भारत की मौजूदगी बढ़ी है।

ऐसे दौर में अमेरिका से सीधा संघर्ष कई मोर्चों पर भारत को नुकसान पहुंचा सकता है। यद्यपि पारंपरिक रूप से भारत में मानव जीवन की महत्ता को सर्वोपरि माना गया है, तदर्थ हम भौतिक व्यापारिक हितों को पुष्ट करने के लिए अमेरिकी तुष्टिकरण की नीति पर पूर्णतः नहीं चल सकते हैं। राष्ट्र प्रथम की भारत नीति और भारतीयों की जीवन निधि को सार्वभौमिक मंच पर हमे प्रधानता के साथ आलोकित करना होगा। भारत सरकार भले तटस्थ रुख को अपनाए रखे, लेकिन राष्ट्रवाद के उदात्त चरित्रों को, आनुषंगिक संगठनों को, छात्रों व स्वयंसेवकों को हम भारतवासियों को, अमेरिकी राहों के आड़े आने दे, उनके चहेते दूतों के कानों में हमारे मृत भाइयों के विरह से उठे करुण कष्ट के कुछ स्वर पहुंचने दे, भारत स्थित उनके घर के कुछ बर्तन खड़काने का लोकतांत्रिक अवसर दे। यदि ऐसा होता है, तो यह भारत व भारतवासियों का अमेरिकी नेतृत्व को सबसे मुखर और प्रखर प्रत्युत्तर होगा। इसमें एक तरफ तो वह प्रधानमंत्री मोदी को अपना परम मित्र व प्रमुख साझेदार बताते हैं, लेकिन भारत के खिलाफ टैरिफ और भारतवासियों के विरुद्ध हथियार उठाते हैं।

भारतीय जनमानस को स्वसीमित हितों से ऊपर राष्ट्रीय स्वाभिमान का एकस्वर आह्वान करना होगा। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की हमारी सांस्कृतिक सीख को हमें चरितार्थ करना होगा। संपूर्ण जगत जिसे हम परिवार मानते हैं, उसे युद्धस्थ अराजकता के अंध से सहोदय के विश्व बंधुत्व में ज्योतिर्मय करना होगा।

शहादत दिवस

डॉ .रमेश ठाकुर

लक्ष्मीबाई का अदम्य उद्घोष लोगों में जगाता है स्वाभिमान

आज झांसी की रानी 'लक्ष्मीबाई शहादत दिवस' है जो सालाना 18 जून को पूरे भारत में प्रेरणा के तौर पर मनाया जाता है। आज ही के दिन 1858 को मात्र 29 साल की आयु में, लक्ष्मीबाई ने मध्यप्रदेश प्रांत के ग्वालियर संभाग के समीप कोटा की सराय में अंग्रेजी हुकूमत के सैकड़ों सैनिकों के साथ करीब सप्ताह भर बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राण देकर वीरगति को प्राप्त हुईं थीं। उनकी वीर शहादत को भारत सदैव नमन करता रहेगा। रानी लक्ष्मीबाई 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे अव्वल नायिकाओं में से एक थीं। आजादी के लिए जब भारत में बिगुल बजा, तो रानी लक्ष्मीबाई के लड़ते कौशल साहस को देखकर ही ब्रिटिश सरकार के सबसे खूंखार मेजर जनरल 'एच.रोज' ने उन्हें भारतीय विद्रोह समूह का सबसे खतरनाक लड़ाकू महिला बताया था। रानी लक्ष्मीबाई को जब सबसे पहले ग्वालियर के किले में 10 सैनिकों ने मिलकर घेरा तो उन्होंने दर्सों सैनिकों का सिर अपनी तलवार से कलम करके अंग्रेजों में कोहराम मचा दिया था। उस खूनी दृश्य को देखकर दरवाजे पर पहरा दे रहे 30-40 सैनिक अपने हथियार छोड़कर भाग खड़े हुए थे। ऐसी वीरांगनाएं धरती पर कभी-कभार ही पैदा होती हैं। लक्ष्मीबाई के अदम्य सैन्य साहस को देखकर ही संस्कृतिक सम्मान के तौर पर प्रसिद्ध कवियित्री सुभद्रा चैहान ने उन पर एक कविता रची थी जिसके शब्द आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। 'खूब लड़ी मर्दानी, वो तो झांसी वाली रानी थी' उनकी वीरता को ये शब्द हमेशा उद्घोषित करते रहेंगे। भारत के गौरवशाली इतिहास में जब-जब किसी भी वीरांगनाओं का जिक्र होगा, महारानी लक्ष्मीबाई के पराक्रम और वीरता की काथाओं को हमेशा याद किया जाएगा। भारत को अंग्रेजों से मुक्त करवाने के लिए जब पुरुष क्रांतिकारियों की टोलियां शहर, गांव और कस्बों में निकल रही थी, तो उनमें एकमात्र रानी लक्ष्मीबाई ही युद्ध के मैदान में कूदने का साहस दिखा रही थीं, उन्हें देखकर फिर कई महिलाएं घरों से निकलकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़ीं। इसलिए रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध कौशल के साथ-साथ उनके मातृत्व धर्म को भी इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज किया गया। उनसे प्रेरणा लेकर ही लड़कियां अब फौज से लेकर विभिन्न विधाओं की कठिन प्रतियोगिताओं में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने लगी हैं। वीरांगना लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1828 में वाराणसी के एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन में परिजनों ने उनका नाम 'मणिकर्णिका' रखा था और प्यार से उन्हें 'मनू' कहकर पुराकते थे। कम उम्र में मां का निधन हुआ, तो उन्होंने मात्र 9 वर्ष की आयु में ही युद्ध कला के गुर सीखना आरंभ कर दिया। तलवार चलाना, घुड़सवारी करना, अखाड़े में कूदकर लड़कों को लड़ने के लिए ललकारना उनकी दिनचर्याओं में शुमार हो गया। ये सब देखकर पिता थोड़े दुखी हुए, तो उन्हें लेकर 'पेशवा राज्य' में चले गए। जहां उनकी भेंट 'पेशवा बाजीराव द्वितीय' से हुई, उन्होंने उनको बेटी का दर्जा देकर विभिन्न तरह का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया। मात्र 14 साल की उम्र में उनका विवाह झांसी के 'राजा गंगाधर नेवलकर' संग हुआ। शादी के 6वें दिन ही उन्होंने अपना नाम 'मर्णिकर्णिका' से बदल कर 'लक्ष्मीबाई' रख लिया। शादी के दूसरे साल में उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन उसकी असमय मृत्यु हो गई। उनका एक दत्तक पुत्र भी था। ईश्वर ने शायद 17 जून की तारीख को रानी लक्ष्मीबाई का अंतिम युद्ध मुकर्रर कर रखा था। युद्ध जब अंतिम पड़ाव पर था और वह चारों तरफ से घिर चुकी थीं, तब उन्होंने अपने दत्तक पुत्र 'दामोदर राव' को अपनी पीठ से बांधकर अपने घोड़े 'बादल' की लगाम अपने मुंह में दबाकर दुश्मनों से निर्भीकतापूर्वक लोहा लेते हुए किले की दीवार से लंबी छलांग लगाकर खुद को बचा लिया। उससे पहले पूरी रात अंग्रेजी सैनिकों से लड़ती रहीं। 18 जून की सुबह हुई, तो उनको करीब 80 सैनिकों ने घेरकर तलवारों के प्रहार से लहूलुहान कर दिया। हिम्मत फिर भी नहीं हारी। तब, लक्ष्मीबाई ने अपने एक सैनिक से कहा, मुझे काली माता के मंदिर तक किसी तरह पहुंचाया जाए। सैनिक आज्ञा का पालन करते हुए, जैसा कहा वैसा ही किया।

आवश्यकता से अधिक मंथन से निकलता है विष

संकलित

दर्शन

व्यक्ति को कर्मशील रहना चाहिए, मगर सहज संतुलन भी आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी अधिक व्यस्त है। उसकी इतनी व्यस्तता चिंता का कारण है। व्यस्तता का बड़ा कारण तकनीक का अधिक प्रयोग भी है। युवा चिंतन में लगे रहते हैं। कम समय में अधिक से अधिक काम करना चाहते हैं। समुद्र मंथन का कार्य तो भलाई के लिए हो रहा था और रत्न निकल भी रहे थे, परंतु न तो देवताओं को संतोष था और ना ही असुरों को। अधिक से अधिक रत्न निकालने की चाह में मंथन होता गया और एक समय ऐसा आया, जब विष निकलने लगा, जिसे पीने को कोई तैयार नहीं था। सब त्राहि-त्राहि करते हुए भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव ने विष को पिया और श्रीराम का नाम लिया। युवा नई तकनीक का प्रयोग करें, खोज करें, लेकिन आवश्यकता से अधिक चिंतन न करें। लगातार नई तकनीक में डूबे रहने की आदत का प्रभाव नकारात्मक होता है। आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है। आज के समय में विष क्या है? काम, क्रोध, लोभ और मोह तो फिर भी कुछ न कुछ अंश में सांसारिक जीवन के भाग हैं। प्रत्येक व्यक्ति में इसका कुछ भाव होना स्वाभाविक है, लेकिन ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का जीवन में कोई काम नहीं है। ये ही समुद्र मंथन से निकले हलाहल (विष) के समान हैं। अब धर्म क्षेत्र में भी ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का असर है जो उचित नहीं है। अगर हमें शिव की भक्ति करनी है तो इस विष का पान भी करना होगा। भगवान शिव भक्ति भी देते हैं और मुक्ति (मोक्ष) भी।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछा- ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोला- आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हमें इसी में समाधान मानना चाहिए। जीवन में कटू और अच्छा दोनों अनुभव हमें होते हैं। इसे समानता से ही लेना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

लोकल ट्रेनों को प्राथमिकता देने की दरकार

एशिया संकट और बढ़ती ऊर्जा चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल के सीमित उपयोग तथा सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील स्वागतयोग्य है। भारतीय रेल भी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। रेल नेटवर्क के तीव्र विद्युतीकरण से वित्त वर्ष 2024-25 में बड़ी मात्रा में डीजल की बचत हुई है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है। विद्युत चालित रेलगाड़ियां डीजल इंजनों की तुलना में अधिक किफायती और प्रदूषण रहित हैं। निस्संदेह पिछले कुछ वर्षों में देश में रेलवे के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोकल व पैसेंजर ट्रेनों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। तभी किफायत होगी।

- मुकेश बंसल, राजनांदगांव

ट्रेंड

बातचीत सार्थक

फेडरल चांसलर मर्ज के साथ बातचीत बहुत सार्थक रही। हमने व्यापार, निवेश, सर्कुलर इकोनॉमी, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करके आपसी सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सिटी ऑफ़ जॉय

स्वच्छता किसी भी जीवंत और स्वागत करने वाले शहर की नींव होती है। 'इंटरनेशनल योग डे' का बेसब्री से इंतजार हो रहा है और इस बड़े इवेंट की मेजबानी कोलकाता कर रहा है, इसलिए 'सिटी ऑफ़जॉय' में साफ़-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है।

- सुवेंदु अधिकारी, सीएम, प. बंगाल

पेपर लीक नहीं रुकेंगे

मोदी सरकार का पेपर लीक रोकने का कोई इरादा नही है। इसीलिए ऐसे बेतुके कदम उठाए जा रहे है। आर्मी के जहाजों से पेपर ले जाना, टेलीग्राम बंद करना। इन कदमों से पेपर लीक नहीं रुकेंगे। पेपर इसका पैसा ऊपर तक जाता है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

भविष्य वक्ता

उनकी अपनी पार्टी के भविष्य बताने वाले भविष्यवाणी कर रहे है कि बीजेपी उन्हे 75 सीटे दे रही है- या फिर सिर्फ 50 सीटे या बस कोरी बातें। जिन लोगों से उन्होंने बीजेपी के साथ गठबंधन करके 30 सीटें मिलने की अफवाहे फैलाकर एडवांस पैसे लिए थे, वे लोग अब उनके पीछे पड़े है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

भारत ने यरूशलम में योग सत्र का किया आयोजन

भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम से करीब एक सप्ताह पहले इजराइली शहर यरुशलम के स्थानीय निकाय के साथ मिलकर यहां योग का विशेष सत्र आयोजित किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यरुशलम के पुराने इलाके में स्थित ममिला मॉल में मंगलवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया और इसकी अगुवाई इजराइली योग प्रशिक्षक याएल यित्ज़ाक-इदान ने की और इस दौरान ओफ़्रा अवनी ने बांसुरी वादन की प्रस्तुति देकर लोगों को मुग्ध कर दिया। इजराइल में, 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को तेल अवीव-याफो बंदरगाह पर भमध्य सागर की पृष्ठभूमि में किया जाएगा।

ऑफ बीट

समुद्र के 30 फीसदी हिस्से के संरक्षण की मुहिम तेज

पृथ्वी पर मौजूद सबसे समृद्ध जैव विविधता में से कुछ समुद्र में पाई जाती है। प्रवाल भित्तियों और मैंग्रोव के जंगलों से लेकर गहरे समुद्र तक, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र अनगिनत प्रजातियों को सहारा देते हैं, तटीय समुदायों का आधार हैं, जलवायु को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और वैश्विक खाद्य सुरक्षा की नींव को मजबूत करते हैं। लेकिन मछली पकड़ने, प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का दबाव इन तंत्रों पर लगातार बढ़ रहा है। इसकी प्रतिक्रिया में दुनिया के देशों ने 2030 तक विश्व के कम-से-कम 30 प्रतिशत समुद्री क्षेत्र के संरक्षण का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य अपनाया है.

संक्षेप

मंगल मेला में आदर्श कृषक सम्मान समारोह का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। किसानों को जागरूक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कैसरगंज शाखा द्वारा स्थानीय मंगल मेला परिसर में आदर्श कृषक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के उन खाताधारकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने समय पर ऋण भुगतान कर उत्कृष्ट वित्तीय अनुशासन का परिचय दिया। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संदीप सिंह ने किसानों को सम्मानित करते हुए समय पर ऋण अदायगी के लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर खेत बचाओ अभियान के तहत कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जैविक खेती अपनाने तथा वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से उत्पादन बढ़ाने के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJB) के अंतर्गत एक लाभार्थी परिवार को 2 लाख रुपये का क्लेम चेक भी प्रदान किया गया। अधिकारियों ने किसानों से सरकारी बीमा योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संदीप सिंह, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रशांत सिंह, डीडीएम नाबार्ड श्री कैलाश जोशी, शाखा प्रबंधक श्री शरद चंद चौबे सहित बैंक के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में बुजुर्ग की मौत

सपा नेताओं ने पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय का भरोसा दिलाया

अमेठी ,कोतवाली क्षेत्र के दलशाहपुर सैदपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इस घटना के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। सपा जिलाध्यक्ष राम उदित यादव के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा। उन्होंने पीड़ित परिवार से घटना की विस्तृत जानकारी ली और फोन के माध्यम से समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल से भी उनकी बात कराई ।प्रदेश अध्यक्ष ने परिवार को हरसंभव सहयोग और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने अमेठी के पुलिस अधीक्षक से दूरभाष पर वार्ता कर मामले में निष्पक्ष जांच, सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौरतलब है कि दलशाहपुर सैदपुर गांव में मंगलवार देर रात जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। आरोप है कि लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस लोगों ने 65 वर्षीय रामफली पाल के घर में घुसकर हमला कर दिया। इस हमले में रामफली पाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पत्नी अनारा, पुत्र सुनील पाल और पुत्रवधू किरण पाल सहित अन्य परिजन भी घायल हुए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी ले जाया गया, जहां से रामफली पाल को जिला अस्पताल और बाद में एम्स रायबरेली रेफर किया गया।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी क्रांति कुमार सिंह: लोकतंत्र की रक्षा के लिए 22 महीने जेल में रहे

आज भी सम्मान के इंतजार में आपातकाल के काले दौर के जीवित गवाह हैं कैसरगंज नौगैया निवासी क्रांति कुमार सिंह

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में वर्ष 1975 से 1977 के बीच लगाया गया आपातकाल एक ऐसा अध्याय माना जाता है, जिसे आज भी देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर सबसे बड़े संकट के रूप में याद किया जाता है। उस दौर में हजारों लोकतंत्र प्रेमियों, सामाजिक कार्यकताओं और राजनीतिक कार्यकताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया, जेल की यातनाएं सही और अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। इन्हीं लोकतंत्र सेनानियों में कैसरगंज क्षेत्र के ग्राम नौगैया निवासी क्रांति कुमार सिंह का नाम भी प्रमुखता से लिया जाता है। क्रांति कुमार सिंह ने आपातकाल के दौरान सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए लोकतंत्र की बहाली के लिए चलाए जा रहे आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उस समय विरोध की आवाज उठाना आसान नहीं था। सरकार के विरोध में बोलने वालों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा था, लेकिन इसके बावजूद क्रांतिक कुमार सिंह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि उन्हें करीब 22 महीने तक जेल में रहना पड़ा। जेल में रहते हुए उन्होंने अनेक कठिनाइयों और यातनाओं का सामना किया, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कभी कमजोर नहीं पड़ी। उनके साथ देशभर के हजारों लोकतंत्र सेनानियों ने भी जेल की सजा भुगती और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

देश ने बदली कई सरकारें, लेकिन सम्मान अब भी अधूरा

आपातकाल समाप्त होने के बाद देश में कई राजनीतिक परिवर्तन हुए। विभिन्न दलों की सरकारें सत्ता में आईं और गईं, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले अनेक सेनानियों को वह सम्मान नहीं मिल सका, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। क्रांति कुमार सिंह भी उन्हीं लोकतंत्र रक्षक सेनानियों में शामिल हैं, जो आज भी उचित सम्मान और पहचान की अपेक्षा रखते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार ने लोकतंत्र रक्षक सेनानियों के लिए पेंशन योजना लागू की थी, जिसका लाभ उन्हें वर्तमान में मिल रहा है। हालांकि क्षेत्र के लोगों का मानना है कि केवल पेंशन देना ही पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सेनानियों को सरकारी स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए तथा उनके योगदान को इतिहास के पन्नों में प्रमुख स्थान मिलना चाहिए।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं क्रांति कुमार सिंह

आज जब देश की युवा पीढ़ी लोकतंत्र और संविधान की बात करती है, तब क्रांतिक कुमार सिंह जैसे सेनानियों का संघर्ष एक प्रेरणास्रोत बनकर सामने आता है। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ की चिंता किए बिना लोकतंत्र के लिए संघर्ष किया और जेल की कठिन परिस्थितियों को सहन किया। ऐसे लोगों की बदौलत ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत बनी रही।

क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि लोकतंत्र रक्षक सेनानियों की जीवनी और संघर्ष को विद्यालयों एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि युवाओं को यह जानकारी मिल सके कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कितने लोगों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय जेलों में बिताया था।

सम्मान की मांग हुई तेज

कैसरगंज क्षेत्र के लोगों ने सरकार से मांग की है कि ग्राम नौगैया निवासी लोकतंत्र रक्षक सेनानी क्रांति कुमार सिंह को उनके संघर्ष और योगदान के अनुरूप सम्मान प्रदान किया जाए। साथ ही लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी सेनानियों को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विशेष पहचान और सम्मान दिया जाए, जिससे उनका त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सके। आज भी नौगैया की धरती पर रह रहे क्रांति कुमार सिंह आपातकाल के उस संघर्षपूर्ण दौर की जीवंत मिसाल हैं, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने जीवन के 22 महत्वपूर्ण महीने जेल की सलाखों के पीछे बिताए। उनका संघर्ष भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सदैव याद किया जाएगा।

मोहर्रम पर्व को लेकर गंडारा कस्बे में पुलिस का रूट मार्च

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कैसरगंज पुलिस द्वारा कस्बा गंडारा में रूट मार्च किया गया। रूट मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी ने किया, जिसमें थाने के पुलिस बल ने भी सहभागिता की। रूट मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कस्बे के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं संभ्रांत लोगों से संवाद स्थापित कर आगामी मोहर्रम पर्व के संबंध में शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील की तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का अनुरोध किया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा शांति भंग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रूट मार्च के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना रहा और लोगों ने पुलिस की पहल की सराहना की।

दर्दनाक हादसा: अंतिम संस्कार में गए दो युवकों की सरयू नदी में डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। अंतिम संस्कार में शामिल होने गए तीन युवक सरयू नदी में स्नान के दौरान गहरे पानी में चले गए। इनमें से एक युवक ने किसी तरह अपनी जान बचा ली, जबकि दो युवक डूब गए। ग्रामीण गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को नदी से बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नानपारा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत चंदनपुर के मजरा गोकलपुर निवासी अतुल पुत्र केदारनाथ एवं अमित कुमार पुत्र अधिवक्ता राम सिंह वर्मा अपने साथी आनंद पुत्र तुलाराम के साथ पास के गांव रामसहायपुरवा में एक महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने सरयू नदी तट पर गए थे। अंतिम संस्कार के बाद स्नान करते समय तीनों युवक अचानक नदी के गहरे पानी में पहुंच गए। आनंद ने संघर्ष करते हुए स्वयं को बचा लिया, लेकिन अतुल और अमित गहरे पानी में समा गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों की सूचना पर गोताखोरों ने दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस दर्दनाक घटना के बाद मृतकों के घरों में कोहराम मच गया है। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

लालपुर में मतदाता सूची से 198 नाम हटाने का आरोप, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मतदाता सूची से अधिक संख्या में नाम काट दिए गए हैं जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की है। भारतीय किसान मजदूर यूनियन (सिंघानिया) ने ग्राम लालपुर चौंदाझार की मतदाता सूची से कथित रूप से 198 मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मामला उठाते हुए उपजिलाधिकारी मिहींपुरवा को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने बिना पूर्व सूचना और सत्यापन के बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को नागरिकों के मतदान अधिकारों का हनन बताया है। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम लालपुर चौंदाझार की मतदाता सूची से लगभग 198 पात्र मतदाताओं के नाम त्रुटिपूर्ण तरीके से काट दिए गए हैं। संगठन का आरोप है कि नाम हटाने से पहले संबंधित मतदाताओं को कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही उनकी सुनवाई की गई। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। संगठन ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, तीन कार्य दिवस के भीतर विशेष मतदाता सत्यापन एवं सुधार शिविर आयोजित करने तथा संबंधित बीएलओ की उपस्थिति में पात्र मतदाताओं के नाम पुनः सूची में शामिल कराने की मांग की है। साथ ही बिना वैध कारण बड़ी संख्या में नाम काटने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की भी मांग की गई है। भारतीय किसान मजदूर यूनियन (सिंघानिया) ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर प्रभावित मतदाताओं को न्याय दिलाने और समस्या के समाधान के संबंध में लिखित आश्वासन देने की मांग की है। संगठन के पदाधिकारी ने इस प्रकरण को खंड विकास अधिकारी मिहींपुरवा को भी अवगत कराया जिस पर नवांगतुक खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है इसकी जांच कराई जाएगी जो भी दोषी होगा उसे बक्शा नहीं जाएगा।

नीली बत्ती हूटर के साथ ही ब्लैक फिल्म लगी कार सीज, बीस हजार जुर्माना

यातायात पुलिस ने जांच के दौरान 1422 वाहनों का किया चालान, सात सीज

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने 1422 वाहनों का चालान करते हुए सात वाहनों को सीज किया है साथ ही 17 लाख रुपए से अधिक की धनराशि का चालान काटा है। इसमें एक चार पहिया वाहन जिसमें नीली बत्ती हूटर सायरन व ब्लैक फिल्म लगी थी इस संबंध में पुलिस ने कागजात मांगे चालक कोई भी कागजात उपलब्ध नहीं कर पाया। यातायात पुलिस ने सीज करते हुए बीस हजार छः सौ रुपए का जुमार्ना ठोंका है। यातायात प्रभारी राम प्रकाश ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूरे जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

राज्य स्तरीय परिवार नियोजन टीम ने राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शासन के आदेश पर राज्य स्तरीय परिवार नियोजन टीम ने मेडिकल कॉलेज बहराइच के महर्षि बालार्क चिकित्सालय का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की जानकारी ली। मेडिकल कॉलेज पहुंची टीम ने सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रो. संजय खत्री से मुलाकात की। तदोपरान्त टीम के सदस्य ओमप्रकाश एवं अन्य सदस्यों ने एमसीएच विंग के लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर (ओटी) एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विगत वर्ष में हुए कुल प्रसवों, उपलब्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों (गायनोकोलॉजिस्ट) तथा मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य परिवार नियोजन कार्यक्रम एवं स्त्री-प्रसूति संबंधी सुविधाओं का मूल्यांकन कर उनमें सुधार की संभावनाओं को चिन्हित करना तथा आवश्यक बिंदुओं को शासन स्तर पर प्रेषित करना था। टीम ने विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध सभी चिकित्सीय सुविधाएं संतोषजनक पाई गईं। राज्य स्तरीय टीम द्वारा संस्थान में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुझाव भी दिए गये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस. के. वर्मा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की इंचार्ज डॉ. शिवांगी, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ मेघा, अन्य संकाय सदस्य, चिकित्सालय प्रबंधक, नर्सिंग अधीक्षिका तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

471125 कृषकों के खातों में पहुंचे पीएम किसान सम्मान निधि के 92.225 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की हुई लाईव स्ट्रीमिंग

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। जनपद बहराइच के समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों, विकासखंड कार्यालयों, राजकीय कृषि बीज भंडारों एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने न्याय पंचायत की ग्राम पंचायतों में तारकेश्वर, हुगली, पश्चिम बंगाल में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की लाईव स्ट्रीमिंग कर सजीव प्रसारण को दिखाया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री द्वारा देश के 9.44 करोड़ किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के रू. 19880 करोड़ की धनराशि अन्तरण किया गया।

वहीं विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत कृषि बीज भंडार चरदा लखैया मे ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जयप्रकाश सिंह की अध्यक्षता मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की लाईव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजकीय कृषि बीज भंडार चरदा मे ब्लॉक प्रमुख श्री सिंह ने कहा कि किसान सम्मान निधि किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यह ऐसी व्यवस्था है जिससे देश के किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इस मौके पर प्रभारी आशीष मौर्य, प्रमुख प्रतिनिधि शिवपूजन सिंह सहित दुर्गेश वर्मा, कृषक बद्री सिंह, सुरेंद्र शुक्ला, राजेश सिंह सहित कई क्षेत्रीय कृषक व जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनपद बहराइच की बात की जाये तो 471125 किसानों के खाते में रू. 92.225 करोड़ की धनराशि का प्रेषण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा में विधायक नानपारा राम निवास वर्मा की अध्यक्षता में तथा कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच में उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की लाईव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया गया।

कैसरगंज तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

50 शिकायतों में 4 का मौके पर निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील सभागार कैसरगंज में शनिवार को तहसीलदार मीना गौड़ की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 50 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल रहे। अधिकारियों द्वारा शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए 4 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। तहसीलदार मीना गौड़ ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण शासन की मंशा एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी डीके श्रीवास्तव ने भी कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार कैसरगंज सचिन श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार जरवल सुरेंद्र वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

प्रख्यात कथावाचक एवं कीर्तनकार पंछी महाराज का निधन, क्षेत्र में शोक

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। प्रख्यात कथावाचक एवं जवाबी कीर्तन के प्रसिद्ध कलाकार धर्मप्रकाश त्रिपाठी पंछी महाराज का शुक्रवार को हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वह लगभग 60 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गायघाट निवासी पंछी महाराज ने अपनी विशिष्ट शैली और प्रतिभा के बल पर बहराइच ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा पड़ोसी देश नेपाल तक अपनी अलग पहचान बनाई थी। कथावाचन और जवाबी कीर्तन के क्षेत्र में उनका नाम सम्मान के साथ लिया जाता था। उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रोता जुटते थे और उन्होंने अनेक शिष्यों को संगीत एवं कीर्तन की शिक्षा दी। शनिवार को गायघाट स्थित सरयू घाट पर पूरे धार्मिक रीति-रिवाज के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा और संस्कार में क्षेत्र के अलावा दूर-दराज के जनपदों तथा नेपाल से भी हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके ज्येष्ठ पुत्र पुनीत त्रिपाठी ने मुखाग्नि दी। पंछी महाराज अपने पीछे बड़े भाई ग्रह प्रकाश त्रिपाठी, पुत्र पुनीत त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, सुदीप त्रिपाठी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से साहित्य, संगीत और धार्मिक जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

कोर्ट में पानी टंकी पर चढ़ी रेप पीड़िता

दुष्कर्म के आरोपी से शादी कराने की मांग, 1 घंटे तक चला हाईवोल्टेज ड्रामा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,कोर्ट परिसर की पानी टंकी पर रेप पीड़िता चढ़ गई। वह रेप के आरोपी प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी थी। करीब एक घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान कलेक्ट्रेट और न्यायालय परिसर में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा। मामले की खास बात यह है कि युवती ने चार महीने पहले इसी युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी जेल भी गया, लेकिन हाल ही में जमानत पर बाहर आया है। अब युवती उसी युवक से शादी कराने की मांग पर अड़ी हुई है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 7:30 बजे पीआरबी को सूचना मिली कि न्यायालय परिसर स्थित पानी की टंकी पर एक युवती चढ़ गई है। सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर सर्विस को भी बुलाया गया। टंकी पर मौजूद युवती लगातार एक ही मांग दोहरा रही थी कि उसकी शादी उस युवक से कराई जाए, जिसके खिलाफ उसने पहले मुकदमा दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि पूनम की 3 साल पहले मध्य प्रदेश में शादी हुई थी। लेकिन उसकी शादी टूट गई। इसके बाद एक साल पहले सोशल मीडिया पर दूर के रिश्तेदार शिव वर्मा से दोस्ती हुई। दोनों की बीच अफेयर हो गया। लेकिन बाद में युवक शादी से पीछे हटने लगा।

चार महीने पहले दर्ज कराया था दुष्कर्म का केस

पुलिस जांच में सामने आया कि पूनम वर्मा ने कुछ महीने पहले थाना कोतवाली देहात में शिव वर्मा निवासी मल्हंग का पुरवा के खिलाफ बीएनएस की धारा-69 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। युवती का आरोप था कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि कुछ दिन पहले वह जमानत पर रिहा होकर बाहर आ गया।

संक्षेप

सोशल मीडिया पर हथियारों की पोस्ट की

डीएम ऑफिस मे शिकायत, कार्रवाई की मांग

बागपत, आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने और सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ तस्वीरें पोस्ट कर भय फैलाने के आरोप में जिलाधिकारी को एक शिकायत पत्र सौंपा गया है।शिकायत में एक संगठित गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग मिलकर एक संगठित गिरोह चला रहे हैं। यह गिरोह केवल आपराधिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक लाभ के लिए लोगों पर दबाव डालकर अवैध वसूली में भी शामिल है।शिकायतकताओं ने बताया कि आरोपी फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवैध हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हैं।इससे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल पैदा होता है।शिकायतकर्ता के अनुसार, इन गतिविधियों के कारण आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है और कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच और संबंधित आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पत्र में यह भी आग्रह किया गया है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और अवैध गतिविधियों की निगरानी की जाए और ऐसे मामलों पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेने की बात कही है।जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन अखंड की मासिक बैठक

किसान-मजदूर मुद्दों पर मंथन, संगठन विस्तार पर जोर

बागपत ,भारतीय किसान यूनियन अखंड (भाकियू अखंड) की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान किसान और मजदूर वर्ग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई, साथ ही संगठन विस्तार पर भी जोर दिया गया। बैठक से पहले, संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने राष्ट्रीय वंदना चौक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी कार्यकर्ता जिला कार्यालय पहुंचे, जो दिल्ली रोड स्थित राज रिसोर्ट के सामने है। यह बैठक भाकियू अखंड के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र कसाना के नेतृत्व और जिला संगठन मंत्री दिलशाद खान की देखरेख में संपन्न हुई। संगठन हर महीने ऐसी बैठकें आयोजित कर किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाता है। बैठक में फसलों के उचित मूल्य, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, आवारा पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान जैसे किसान संबंधी मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।इसके अतिरिक्त, मजदूरों के रोजगार और कल्याण से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन अखंड के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महेश कसाना भी मौजूद रहे।उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसान और मजदूर देश की रीढ़ हैं। संगठन उनके अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा।चौधरी महेश कसाना ने कार्यकताओं से गांव-गांव तक संगठन की नीतियों और किसान-मजदूर एकता का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया।

राजभर का सपा टूटने का दावा गलत:केशव

भाजपा को उनके सांसदों की जरूरत नहीं, करणी सेना के अध्यक्ष भी हल्के आदमी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने मंत्री ओपी राजभर के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सपा टूटेगी और उसके सांसद भाजपा में शामिल होंगे। केशव ने प्रयागराज में शनिवार को कहा कि राजभर की बातों में कोई दम नहीं। भाजपा को समाजवादी जैसी खराब पार्टी के लोगों की जरूरत नहीं है।इससे पहले केशव ने गुरुवार को कहा था कि सपा के 25 से 26 सांसद भाजपा में आने के लिए तैयार हैं।वहीं, मंत्री राजभर पिछले 3 दिनों में 8 बार सपा के टूटने का दावा कर चुके हैं।उन्होंने कहा था कि अखिलेश के चाचा रामगोपाल यादव ने अमित शाह को पर्ची सौंप दी है। उनसे कहा है कि इतने सांसदों को आप पार्टी में ले लीजिए। अंबेडकरनगर में आज लगातार चौथे दिन राजभर ने सपा के टूटने का दावा किया। इसके पीछे की वजह महिला आरक्षण बिल को बताया।अलीगढ़ में करणी सेना के अध्यक्ष के दिए बयान पर पलटवार करते हुए केशव प्रसाद ने कहा- ये इतने हल्के लोग हैं कि उन्हें यह भी ध्यान नहीं रहता कि कब क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं। ऐसे लोगों के बारे में क्या ही कहा जाए। दरअसल, शुक्रवार को सूरजपाल सिंह अम्मू ने में कहा था- भाजपा के लोग बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। कहते हैं कि नितिन गडकरी जी ने बहुत काम किया, सड़कें बहुत सुंदर बनवाई हैं। हमें भी कई बार लगने लगा था कि ऐश्वर्या राय और हेमा मालिनी के गाल की तरह सड़कें चिकनी हो गई हैं। लेकिन, अलीगढ़ की सड़कें डिप्टी सीएम केशव मौर्य के गाल की तरह खुरदरी हो गई हैं।

अब सिलसिलेवार पूरा मामला समझ लीजिए-

इस पूरे शुरूआत बुधवार को हुई। राजभर ने सपा में टूट का 2 बार दावा किया। सबसे पहले सुबह राजभर ने अठक से कहा था- महाराष्ट्र के बाद अब यूपी का नंबर है। सपा नेता रामगोपाल यादव ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी दे दी है। उनसे कह दिया है कि इतने लोगों के नाम हैं।

बॉलीवुड में कनेक्शन के नाम पर 1.48 करोड़ की ठगी

फिल्मी हस्तियों के साथ फोटो-वीडियो, चैट दिखाकर भरोसा बनाया, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,फिल्म निर्माण, म्यूजिक एल्बम और बॉलीवुड में पहचान दिलाने के नाम पर 1.48 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है।पीड़ित की शिकायत पर अतरसुइया थाने में कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।आरोप है कि मुख्य आरोपी ने खुद को फिल्म निमार्ता और विभिन्न फिल्मी कंपनियों से जुड़ा प्रभावशाली व्यक्ति बताकर वर्षों तक निवेश के नाम पर रकम ली और बाद में पैसे लौटाने से इनकार कर दिया।

समाजसेवी है पीड़ित

सोनभद्र निवासी विष्णु कुमार तिवारी ने अपर पुलिस आयुक्त को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह समाजसेवी हैं। उनकी मुलाकात वर्ष 2018 में परिचित के माध्यम से मोहम्मद एतिशाम उर्फ राजू से हुई थी। एतिशाम ने खुद को कई फिल्मी कंपनियों से जुड़ा बताते हुए दावा किया कि उसकी बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों से पहचान है और उसके विभिन्न फिल्मी प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

बॉलीवुड कनेक्शन दिखाकर जीता भरोसा

शिकायत के अनुसार आरोपी ने कई फिल्मी कलाकारों और कथित निमार्ताओं से मुलाकात करवाई। साथ ही फिल्मी हस्तियों के साथ फोटो, वीडियो और व्हाट्सएप चैट दिखाकर भरोसा बनाया। आरोप है कि आरोपी ने कहा कि उसके प्रोजेक्ट में निवेश करने पर बड़ा मुनाफा मिलेगा, जिसके बाद पीड़ित उसके प्रभाव में आ गया।

अलग-अलग खातों में भेजे गए करोड़ों रुपये

एफआईआर के मुताबिक वर्ष 2018 से 2022 के बीच पीड़ित ने आरोपी के कहने पर विभिन्न कंपनियों और व्यक्तियों के खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर की। शिकायत में दावा किया गया है कि केवल मोहम्मद एतिशाम द्वारा बताए गए ।

प्राइवेट बैंक कर्मी के साथ युवक करता रहा शारीरिक शोषण

शादी से किया इनकार मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर।जनपद के बिंदकी कोतवाली अंतर्गत एक प्राइवेट बैंक कर्मी ने तहरीर देते हुए युवक पर शारीरिक शोषण करने के बाद विवाह न करने का आरोप लगाया युवती ने बताया की युवती बकेवर थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासिनी है जो बिंदकी कस्बे के पैगंबरपुर मोहल्ले में अपने रिश्तेदारों के यहां निवास करते हुए ललौली रोड में स्थापित सोनाटा बैंक में नौकरी कर रही है पीड़िता अपनी मौसी के यहां बिंदकी में रहती थी जहां मौसी का एक रिश्तेदार युवक धनराज पुत्र रामप्रसाद निवासी गांव अरईपुर घेरवा के ऊपर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया युवती ने बताया कि युवक पिछले दो वर्ष पहले मौसी के घर पर ही मिला था जहां दोनों की मुलाकात हुई और बातचीत शुरू होगी कुछ दिन बाद युवक शादी करने का आश्वासन देने लगा तथा पीड़िता भी तैयार हो गई वहीं पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक अलग-अलग स्थान पर ले जाकर युवती के साथ शारीरिक शोषण भी करता रहा वही अपनी मां की बीमारी को बताते हुए युवती से 200000 रुपए भी ले लिए जैसे ही पीड़िता ने विवाह की बात कही तो इस बात को युवक नजर अंदाज करता रहा वही दबाव बनाने पर युवक ने खुलकर शादी करने से इनकार कर दिया जिसे देखते हुए पीड़िता ने कोतवाली बिंदकी में लिखित तहरीर प्रस्तुत की कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह ने तहरीर स्वीकृत करते हुए पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा वही मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी की खोजबीन प्रारंभ की

अवैध रुप से काटे गए दर्जनों हरे सागौन के पेड़ मुकदमा दर्ज

अमनलेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर।जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वन विभाग अमौली रेंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरा में सागौन के लगभग एक दर्जन पेड़ों को धराशाई कर दिया गया बिना अनुमति काटे गए पेड़ों की सूचना मिलने पर वन विभाग अमौली रेंज के वन उप निरीक्षक पंकज सिंह समेत पूरी टीम मौके पर पहुंची जहां कटान होने के बाद पूरी लकड़ी गायब मिली विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने मौके पर मौजूद सभी ठूंठों की माप जोख करते हुए जानकारी ली तथा अवैध रूप से पेड़ कटान कराने वाले ग्रामीण प्रेमचंद यादव पुत्र स्वर्गीय माधव के नाम वन संरक्षण अधिनियम के तहत धारा 4/10 अंतर्गत मुकदमा दर्ज करते हुए विधिक कार्रवाई की

नगर निगम में सड़क को लेकर हंगामा

पार्षदों ने दिया धरना, प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी; आश्वासन के बाद समाप्त हुआ

अमनलेखनी समाचार

मेरठ ,सड़कों के काम में देरी और बनी हुई सड़कों की खराब गुणवत्ता को लेकर नगर निगम में जमकर हंगामा हुआ। सपा पार्षद कीर्ति घोपला अपने समर्थक पार्षदों के साथ मुख्य अभियंता के दफ्तर पहुंचीं और रुके पड़े सड़क के कामों को लेकर अधिकारियों से जवाब मांगा। बातचीत के दौरान मुख्य अभियंता पीके सिसोदिया दफ्तर से बाहर चले गए।इससे पार्षद और उनके समर्थक नाराज हो गए। इसके बाद उन्होंने दफ्तर के बाहर धरना शुरू कर दिया। देखते ही देखते माहौल गरमा गया और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी होने लगी। पार्षद कीर्ति घोपला ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में बनने वाली सड़क का काम लंबे समय से अटका हुआ है। इसके अलावा कई जगह हुए कामों की गुणवत्ता को लेकर भी लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उनका कहना था कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनने के बजाय उन्हें टालने में लगे हैं।

सड़क के मुद्दे पर नगर निगम में पार्षदों का धरना

धरने में पार्षद इकराम चौधरी समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे। सूचना मिलते ही गांव घोपला से बड़ी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता भी नगर निगम पहुंच गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि निगम प्रशासन जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कर रहा है और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। कीर्ति घोपला ने कहा कि निगम अधिकारी अब न जनता की सुन रहे हैं और न ही पार्षदों की। अगर विकास कार्यों में लापरवाही इसी तरह जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मुख्य अभियंता बोले- वन विभाग की अनुमति के बिना नहीं हो सकता काम

मुख्य अभियंता पीके सिसोदिया ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि जिस सड़क का मामला उठाया जा रहा है, वह वन विभाग की अनुमति से जुड़ा हुआ है। सड़क बनाने से पहले वन विभाग की एनओसी लेना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पहले इस मामले में संबंधित जूनियर इंजीनियर के खिलाफ वन विभाग कार्रवाई भी कर चुका है।ऐसे में नियमों को नजर अंदाज कर सड़क का काम शुरू नहीं कराया जा सकता।धरने और हंगामे के चलते नगर निगम का माहौल कई घंटों तक गर्म रहा। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच लगातार बातचीत होती रही।

नाबालिक लड़की को फरार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमनलेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में नाबालिक 16 वर्षीय लड़की के साथ युवक ने रेप किया पीड़िता के परिजनों ने कोतवाली में लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव दरवेशाबाद का निवासी युवक मुन्ना पुत्र चंद्रपाल नाबालिक बेटी को विगत 8 जून को सुबह पहर बहला फुसलाकर फरार हो गया जिसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी गई तथा प्रशासन आरोपी की तलाश में जुट गई वही काफी खोजबीन के बाद प्रशासन ने नाबालिक लड़की को विगत दिवस 18 जून को बरामद किया वही नाबालिक लड़की अपने माता-पिता के पास रहने के लिए राजी नहीं हुई जिसे देखते हुए प्रशासन ने लड़की को नारी निकेतन प्रयागराज भेज दिया वही किसी तरह आरोपी को कल शनिवार को गिरफ्तार करते हुए प्रशासन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया वहीं बलात्कार की आशंका से प्रशासन ने आरोपी का डीएनए टेस्ट कराया जानकारी लेने पर उपनिरीक्षक अरविंद यादव ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर मोहम्मद इरफान ने बताया कि आरोपी का सैंपल डीएनए टेस्ट के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है

युवती फंदे से झूली, मौत

परिजनों ने शव रखकर सड़क जाम की, भाई बोला- बॉयफ्रेंड ने शादी का झांसा देकर रेप किया

अमनलेखनी समाचार

गाजियाबाद ,मोदीनगर में 20 साल की युवती ने फंदे से लटककर जान दे दी।युवती के साथ आरोपी युवक शादी का झांसा देकर एक साल तक दुष्कर्म करता रहा।पीड़िता से जेवरात भी हड़प लिए। इसके बाद आरोपी युवक और उसके परिवार ने घर में घुसकर कहा- तुम्हारी लड़की का इस्तेमाल किया है, अब हम अपने लड़के की शादी नहीं करेंगे। शाम सात बजे जब किदवई नगर कॉलोनी युवती का शव पहुंचा तो परिजनों ने हंगामा करना शुरू कर दिया।कहा- आरोपी परिवार धमकी दे रहा है, आरोपियों की धमकी के चलते युवती ने सुसाइड किया है। सूचना पर मोदीनगर आनंद प्रकाश मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाकर शांत कराया। मोदीनगर की किदवई नगर कॉलोनी निवासी 20 साल की युवती का समीर नाम के युवक से दोस्ती थी। युवती के भाई ने बताया कि आरोपी समीर ने शादी का झांसा देकर मेरी बहन के साथ रेप किया।हमने अपनी बहन की शादी के लिए जो जेवरात खरीदे थे, वह भी आरोपी समीर ने धोखे से बिकवाकर उसकी पैसे हड़प लिए।4 दिन पहले हमें पता चला कि आरोपी समीर युवती का मानसिक और शारीरिक शोषण कर रहा है। युवती के भाई ने बताया कि हमने आरोपी समीर के घर जाकर परिजनों को बताया। हमने तो लड़की का इस्तेमाल कियापीड़ित परिजनों का कहना है कि समीर और उसके परिजनों ने की रात को घर में घुसकर हमला बोल दिया। कहा कि हमारे लड़के ने तुम्हारी लड़की का इस्तेमाल किया है। आरोपियों ने गालियां दी, और हमारी बेटी को बदनाम करने की धमकी देते हुए कहा कि इसकी शादी दूसरी जगह भी नहीं होने देंगे।इसके बाद से युवती मानसिक तनाव में आ गई। सुबह युवती का शव फंदे पर लटका मिला। जिसकी सूचना पुलिस को दी।मोदीनगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

28 टूरिस्ट की ट्रैवलर खाई में गिरी

आगे का शीशा टूटने से ननद-भाभी उछलकर बाहर गिरीं, दोनों की मौत; नैनीताल से लौट रहे थे

अमनलेखनी समाचार

मेरठ ,नैनीताल घूमने गए एक परिवार की ट्रैवलर खाई में गिर गई। ट्रैवलर में 28 लोग सवार थे।ब्रेक फेल होने से गाड़ी खाई में गिरकर एक पेड़ से टकराई।इससे आगे का शीशा टूट गया और दो महिलाएं उछलकर बाहर गिर गईं।उन दोनों की ही मौत हो गई।हादसे की जानकारी पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। मेरठ से भी परिवार के लोग नैनीताल रवाना हो गए। हादसा नैनीताल में कालाढूंगी मार्ग पर देर रात हुआ।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। कई घंटे तक चले राहत व बचाव अभियान के बाद सभी घायलों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक वाहन में कुल 28 लोग सवार थे। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। उसमें एक की पहचान नफीस की पत्नी शहनाज (45) और बहन नाजरीन (32) के रूप में हुई है। जबकि अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया है। अब विस्तार से पूरा मामला जानिए... लिसाड़ी गेट के ताला फैक्ट्री निवासी नफीस और उनके भाई अनीस किताबों की प्रिंटिंग और स्टेशनरी का कारोबार करते हैं। दोनों भाई अपने परिवार के साथ घूमने के लिए उत्तराखंड के नैनीताल गए थे। मंझले भाई रईस नहीं गए थे, उनकी पत्नी और बच्चे गए थे। अनीस के साथ उनकी पत्नी रुकसाना और बच्चे अमन व अलविया था। नफीस के साथ उनकी पत्नी शहनाज और तीन बच्चे तसबीहा, जरनीम और सुहेमा गए थे। बहन के परिवार समेत 28 लोग घूमने गए थे। वहां से रात सभी लोग घर वापस आ रहे थे। रास्ते में नैनीताल-कालाढूंगी मार्ग पर इनके ट्रैवलर का ब्रेक फेल हो गया। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।यह हादसा कालाढूंगी से एक किलोमीटर पहले लाल मिट्?टी इलाके में हुई।गाड़ी को नईम चला रहा था। हादसे की जानकारी पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने सभी घायलों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया।इसमें शहनाज और नाजरीन की मौत हो गई।

ड्राइवर ने पैरापिट से टकराना चाहा, कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

ट्रैवलर चला रहा ड्राइवर नईम भी घायल हुआ है। उसने अस्पताल में पुलिस को बताया कि रास्ते में उसकी गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक फेल होते ही उसने गाड़ी को नियंत्रित करने का पूरा प्रयास किया।गाड़ी की रफ्तार बढ़ती देख सब लोगों की सांसें अटक गईं। कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग पर प्रिया बैंड के पास नईम ने गाड़ी रोकने के लिए उसे सड़क किनारे स्थित पैरापिट नुमा दिवार से टकराने की सोची।

चलते डंपर से हाईवे पर बिछे पत्थर

कई गाड़ियां आपस में टकराने से बची, पुलिस ने खुद फावड़े से हटाई लाल ईंटें

अमनलेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक चलते डंपर से अचानक बजरी और पत्थर गिर गए। इससे हाईवे पर काफी दूर तक लाल रंग के पत्थरों की चादर फैल गई। इस दौरान हाईवे से गुजरने वाले चालकों को अपनी गाड़ी की स्पीड अचानक धीमी करनी पड़ी। जिससे कई गाड़ियां बार-बार आपस में टक्कराने से बची। जबकि कई गाड़ियों के टायर भी पंचर हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।पुलिस टीम ने जेसीबी के आने तक खुद सड़क से पत्थरों को हटाया।इसके बाद जेसीबी मशीन ने पत्थरों को पूरी तरह हटाया।पत्थर हटने के बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका।इसके साथ ही जिन गाड़ी चालकों की गाड़ी के टायर पंचर हो गए थे, पुलिस ने पंचर बनाने वाली गाड़ी बुलाकर उनकी भी मदद की।मामला दादरी थाना क्षेत्र के चकसेनपुर के पास का है।सुबह के समय कुछ डंपर पेरीफेरल हाईवे से गुजर रहे थे।इसी दौरान एक डंपर का जैक अचानक ऊपर उठ गया, जिससे बजरी और लाल के टूटे पत्थर सड़क पर बिखरते चले गए।हाईवे पर जैसे-जैसे ट्रक आगे बढ़ रहा था, वैसे-वैसे पत्थर हाईवे पर बिछते जा रहे थे।दरअसल ट्रक ओवरलोड था।

व्यक्ति से 10.85 लाख की ठगी

मुनाफे का झांसा देकर निवेश कराया, पैसे निकालने गए तो पता चला

अमनलेखनी समाचार

नोएडा,ऑनलाइन ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से 10.85 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पहले व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क किया, फिर फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश करवाकर रकम हड़प ली। जब पीड़ित ने अपना पैसा निकालने की कोशिश की तो निकासी रोक दी गई। मामले में साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिसरख निवासी शिव कुमार गुप्ता ने शिकायत में बताया कि एक युवती ने व्हाट्सऐप के माध्यम से उनसे संपर्क किया था। बातचीत के दौरान उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग में अच्छा मुनाफा होने का दावा किया और निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर उनका अकाउंट खुलवाया गया।

पांच बार में जमा कराए 10.85 लाख रुपये

आरोपियों के झांसे में आकर शिव कुमार ने अलग-अलग तारीखों में कई बार रकम ट्रांसफर की। उन्होंने 24 दिसंबर को 10 हजार रुपये, 29 दिसंबर को 50 हजार रुपये, 9 जनवरी को 2 लाख रुपये, 13 जनवरी को 2 लाख रुपये और 14 जनवरी को 6.25 लाख रुपये जमा किए।इस तरह कुल 10.85 लाख रुपये निवेश कराए गए। शिकायत के अनुसार, शुरूआती दिनों में प्लेटफॉर्म पर निवेश की रकम बढ़ती हुई दिखाई गई और मुनाफा भी दर्शाया गया, जिससे उन्हें भरोसा हो गया कि उनका निवेश सुरक्षित है।

केरल लॉटरी का झांसा देकर ठगी करने वाले 10 गिरफ्तार

साउथ इंडिया के लोगों को शिकार बनाते, नोएडा से ऑपरेट होता था गिरोह

अमनलेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-121 में किराए के फ्लैट से चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर को थाना फेस-3 पुलिस और साइबर सेल सेक्टर-108 की टीम ने 10 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग फेसबुक और इंस्टाग्राम पर केरल लॉटरी के नाम से विज्ञापन चलाकर लोगों को करोड़ों की लॉटरी का झांसा देते हैं। इसके बाद टैक्स, जीएसटी, एनओसी और आरबीआई क्लियरेंस के नाम पर लाखों रुपए ऐंठ लेते है। एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया- दो महीनों में एनसीआरपी पोर्टल और समन्वय पोर्टल पर करीब 18 शिकायत मिली। शिकायत कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से थी, लेकिन जांच में सामने आया कि कॉल नोएडा से की जा रही थी।साइबर सेल सेक्टर-108 ने बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की पड़ताल की तो लाखों रुपए के ट्रांजैक्शन सामने आए। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी फर्जी बैंक खाते बदल-बदलकर इस्तेमाल करते थे और ठगी के बाद मोबाइल नंबर और सिम भी बदल देते थेपूछताछ में बताया कि वे जानबूझकर उत्तर भारत में रहकर दक्षिण भारत के लोगों को निशाना बनाते थे, ताकि वहां की पुलिस आसानी से उन तक न पहुंच सके। सभी आरोपी ठगी से आने वाली रकम आपस में बांट लेते थे।गिरोह को फर्जी बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाला रुदीपूर नाम का व्यक्ति अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

गलत फीडर का शटडाउन देने से टला बड़ा हादसा, एसएसओ निलंबित

अमन लेखनी समाचार

बेंहदर, हरदोई। 33/11 विद्युत उपकेंद्र बेंहदर में बिजली विभाग की लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। शटडाउन प्रक्रिया में हुई चूक के चलते एक लाइनमैन की जान खतरे में पड़ गई। हालांकि समय रहते गलती का पता चल जाने से बड़ा हादसा टल गया और लाइनमैन सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार सरेहरी फीडर पर मरम्मत कार्य के लिए शटडाउन मांगा गया था, लेकिन उपकेंद्र से गलतीवश बेंहदर टाउन फीडर का शटडाउन दे दिया गया। इसी दौरान लाइनमैन अजय संबंधित विद्युत लाइन पर कार्य कर रहे थे। शटडाउन प्रक्रिया में हुई इस गंभीर त्रुटि से उनकी जान जोखिम में पड़ गई। सौभाग्यवश समय रहते स्थिति स्पष्ट हो गई और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए संडीला के अधिशासी अभियंता ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एसएसओ दीप प्रकाश गुप्ता को निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं, ताकि घटना के लिए जिम्मेदार अन्य लोगों की भूमिका भी स्पष्ट हो सके। इस घटना के बाद विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली और सुरक्षा मानकों पर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि शटडाउन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही कर्मचारियों की जान पर भारी पड़ सकती है। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विभाग ठोस कदम उठाए और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का सोनभद्र भ्रमण कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी प्रातः 08:30 बजे वाराणसी स्थित होटल ताज गंगेज से सड़क मार्ग द्वारा जनपद सोनभद्र के लिए प्रस्थान करेंगे। अपने भ्रमण के दौरान वह सर्किट हाउस, सोनभद्र में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके उपरांत विकास भवन, सोनभद्र में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे तथा विकास भवन परिसर में वृक्षारोपण करेंगे। मंत्री जी पंचायत रिसोर्स सेंटर, सोनभद्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे तथा जनपद में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके पश्चात सर्किट हाउस में जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करेंगे। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी उद्योगपतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन एवं रोजगार सृजन से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। इसके उपरांत वह प्रेस वार्ता को संबोधित कर सरकार की नीतियों, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा करेंगे। कार्यक्रमों के उपरांत मंत्री जी वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री जी के भ्रमण को लेकर जनपद प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

नगर आयुक्त अजय जैन ने चरगावां गारबेज ट्रांसफर स्टेशन का किया निरीक्षण

महेसरा सीएंडडी वेस्ट सेंटर में सफाई, मशीनों पर शेड और टाइल्स के स्ट्रेंथ टेस्ट के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। नगर आयुक्त अजय जैन ने शनिवार को चरगावां स्थित गारबेज ट्रांसफर स्टेशन एवं महेसरा स्थित कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (सीएंडडी) वेस्ट सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। चरगावां स्थित गारबेज ट्रांसफर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि यहां से निकलने वाली सभी कचरा वाहनों में अनिवार्य रूप से आरएफआईडी (फक्र्ककऊ) टैग लगाए जाएं, जिससे वाहनों की आवाजाही और कचरे के परिवहन की निगरानी बेहतर तरीके से की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि एक साथ गाड़ियों के वजन और उनमें लदे कचरे की मात्रा की निगरानी नगर निगम कार्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (कउउउ) से की जा सके। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और कचरा प्रबंधन प्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत किया जा सकेगा। इसके बाद नगर आयुक्त ने महेसरा स्थित कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में उगी घास की साफ-सफाई कराकर पूरे क्षेत्र को समतल कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्यस्थल व्यवस्थित और सुरक्षित बना रहे। सेंटर के संचालक ने बताया कि यहां महानगर से एकत्रित किए गए निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) से इंटरलॉकिंग टाइल्स और बैठने के लिए बेंच तैयार किए जा रहे हैं, जो कचरे के पुनः उपयोग का एक सराहनीय उदाहरण है। नगर आयुक्त ने तैयार हो रही इंटरलॉकिंग टाइल्स की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उनका स्ट्रेंथ टेस्ट कराने के निर्देश दिए, ताकि इनका उपयोग सुरक्षित और टिकाऊ हो सके। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि प्लांट में लगी मशीनों के ऊपर शेड नहीं है, जिससे उनमें जंग लगने की आशंका बनी रहती है। इस पर उन्होंने तत्काल मशीनों के ऊपर शेड लगवाने और मशीनों की नियमित सर्विसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, नगर आयुक्त ने परिसर को और विकसित करने के उद्देश्य से पाथवे, प्लांटेशन और गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए, जिससे यह स्थान न केवल कार्यात्मक बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और व्यवस्थित भी बन सके।

खास समाचार

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने शिवपुर में नाले, महंत शिवाला वार्ड में नाली और कवर और मकरी खो वार्ड में दो सीटर शौचालय का किया उदघाटन

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर के तीन वार्डों में नवनिर्मित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजन अर्चन के बाद लोकार्पण किया।जहाँ शिवपुर वार्ड के सोनकर बस्ती में नाले का निर्माण,महंत शिवाला वार्ड में चौबे घाट के सामने गली में नई नाली और कवर का कार्य एवं मकरी खो वार्ड के विश्व हिन्दू परिषद कार्यालय में दो सीटर शौचालय का निर्माण का कार्य नगर पालिका परिषद मीरजापुर द्वारा कराया गया है।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि नगर में नगर पालिका परिषद द्वारा तीन वार्डों में जनता से सरोकार रखने वाले तीन निर्माण कार्यों को कराया गया है,इसके निर्माण से आम जनता को सहूलियत मिलेगी।इस मौके पर नितिन विश्वकर्मा,कृष्ण कुमार सिंह (रिचू),सभासद मंजू देवी,रतन बिंद,अलंकार जायसवाल,धीरज तिवारी,आशुतोष त्रिपाठी,शिवकुमार शर्मा,दिवाकर,महेश तिवारी,विनोद बिंद,प्रवीण,ऋषभ मालवीय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल प्रवेश उत्सव मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

कलवा (ठाणे): नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन, लाल बहादुर शास्त्री विद्यालय, कलवा में 'शाळा प्रवेश उत्सव' बेहद उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर ठाणे महानगरपालिका के उपायुक्त मा. श्री. जितेंद्र निकम ने विद्यालय का दौरा किया और नए छात्रों का आत्मीय स्वागत किया। स्कूल के पहले दिन बच्चों का स्वागत गुलाब के फूल और मिठाई देकर किया गया। इस मौके पर उपायुक्त जितेंद्र निकम ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्था और शैक्षणिक माहौल की सराहना की। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रधानाचार्य श्री विरेन्द्र यादव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय मीडिया फाउंडेशन (नेशनल) के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौबे जी ने भी छात्रों को नए शैक्षणिक वर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य विरेन्द्र यादव ने उपायुक्त महोदय जितेंद्र निकम , अशोक चौबे जी और सभी शिक्षक कर्मचारी, अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

घोरावल पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक घोरावल बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आज दिनांक 19.06.2026 को थाना घोरावल पुलिस टीम द्वारा हिन्दुआरी तिराहा से थाना करमा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 59/2026, धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त महानन्द पुत्र स्व0 रमाशंकर निवासी जलालपुर, थाना कछवा, जनपद मिजार्पुर को समय करीब 08:30 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त मुकदमे में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हर घर जल योजना में जगह जगह सी सी सड़क खोद देने से हो गए बड़े गड्ढे,हो रही दुर्घटनाएं

लोगों द्वारा बार–बार मार्ग सुधार की मांग को अधिकारी से लेकर प्रशासन तक कर रहा अनदेखा

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गुरसरांय वार्ड नंबर नौ की तस्वीर

गुरसरांय (झांसी)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' योजना,जिसका उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है,स्थानीय प्रशासन और ठेकेदारों की घोर लापरवाही के कारण आम जनता के लिए जी का जंजाल बनती जा रही है। नगर में पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गईं सीसी सड़कों को जगह-जगह काम पूरा होने के बाद वैसे ही बदहाल छोड़ दिया गया है। नतीजा यह है कि इन रास्तों पर अब बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं,जो रोजाना बड़ी दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। नगर के मुहल्ला पटकाना मे काली माता मन्दिर के पास कुछ मीटर सीसी सड़क छोड़ दी गई है जिसमें आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। मुहल्ले के जागरूक लोगों ने जिलाधिकारी झाँसी को इस संबंध में शिकायत कर जल्द समाधान की मांग की है। इसी तरह नगर के कई वार्डों मे यह समस्या बनी हुई है।

खोदकर भूल गए जिम्मेदार, राहगीर हो रहे लहूलुहान

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था ने पाइपलाइन डालने के लिए सड़कों के बीचों-बीच खुदाई की थी। नियम के मुताबिक,पाइपलाइन डालने के तुरंत बाद सड़क की मरम्मत कर उसे पुरानी स्थिति में लाना ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है। लेकिन यहाँ महीनों बीत जाने के बाद भी सड़कों को ठीक नहीं किया गया।सड़क के बीचों-बीच निकले नुकीले पत्थर और गहरे गड्ढों के कारण आए दिन दुपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। विशेषकर रात के अंधेरे में और बारिश के मौसम में इन गड्ढों की गहराई का अंदाजा न मिल पाने के कारण राहगीर गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। सड़क किनारे मकानों में रहने वाले लोग भी बेहद परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं।बच्चों और बुजुर्गों के लिए इन उखड़ी सड़कों पर पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है।

गोरखपुर में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की भव्य तैयारी

दिग्विजयनाथ पार्क में सुबह 6 बजे से होगा मुख्य आयोजन, पीएम व सीएम ऑनलाइन जुड़ेंगे

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य और व्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए जनपद प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन तारामंडल स्थित दिग्विजयनाथ पार्क में सुबह 6 बजे से किया जाएगा, जिसमें जनपद के आला अधिकारी, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आमजन स्वेच्छा से भाग लेंगे। इस अवसर को सफल और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कार्यक्रम में आने वाले प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी प्रतिभागी सुबह 5:30 बजे तक दिग्विजयनाथ पार्क में पहुंच जाएं, ताकि 6 बजे से शुरू होने वाले सामूहिक योग सत्र में समयबद्ध तरीके से सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। योग दिवस के इस विशेष आयोजन में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर देश-प्रदेश के लोगों को संबोधित करेंगे और योग के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। प्रशासन द्वारा पार्क में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। नगर निगम और संबंधित विभागों को विशेष रूप से साफ-सफाई और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग को भी मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था करने को कहा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए जिला विकास अधिकारी सतीश सिंह, परियोजना निदेशक संदीप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव, अपर नगर आयुक्त गौरव श्रीवास्तव और जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिनव मिश्रा डीआईओएस अजीत कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने में जुटे हुए हैं। योग दिवस के प्रति लोगों में उत्साह भी साफ देखा जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठन और आम नागरिक बड़ी संख्या में इस आयोजन में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। प्रशासन का प्रयास है कि यह कार्यक्रम न केवल भव्य हो, बल्कि लोगों में योग के प्रति जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश भी प्रभावी ढंग से पहुंचाए। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हम सभी के लिए एक प्रेरणा का अवसर है, जिसे उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया जाना चाहिए।

मौलवी खेड़ा में क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आगाज

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर/बेहंदर। ग्राम पंचायत चंदाबैजा के अंतर्गत मौलवी खेड़ा गांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामपाल वर्मा पुत्र अर्जित वर्मा ने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। अपने संबोधन में अर्जित वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। वक्ताओं ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्व प्रधान चंदाबैजा धनपति सिंह यादव, साजिद अली, सबबीर अली, इरफान अली, सलाउद्दीन अली, मुस्लिम अली, मावेश अली, सकील अली, अलीम अली सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता के सफल संचालन का संकल्प लिया।

सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कृषि मेले का आयोजन

प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन, योजनाओं की दी जानकारी।

कृषकों को सम्मानित कर वितरित किए बीज किट, कृषि क्षेत्र में नवाचार अपनाने का आह्वान।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किसानों की आय में हो रही वृद्धि।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद सोनभद्र के विकास खंड रावर्टसगंज के ग्राम मंहुराही में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले एवं प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा जी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने सर्वप्रथम कृषि विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा लगाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत मंत्री जी ने भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं तथा विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर एवं आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है तथा भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य ने भी केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कृषकों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा

1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181-महिला हेल्पलाइन

1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

धरना-प्रदर्शन हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में निर्धारित किया गया पृथक स्थल

कलेक्ट्रेट के पीछे कोषागार कार्यालय के सामने पश्चिम दिशा में होगा

धरना–प्रदर्शन / निर्धारित स्थल पर ही प्राप्त किए जाएंगे ज्ञापन, आदेश तत्काल प्रभाव से लागू।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा जनपद में विभिन्न राजनैतिक, अराजनैतिक एवं अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले धरना-प्रदर्शन कार्यक्रमों के सुव्यवस्थित संचालन तथा शासकीय कार्यों के निर्बाध सम्पादन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यालयीय कार्य के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संगठनों एवं दलों के प्रतिनिधि कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करते हैं, जिससे आम जनता की समस्याओं की सुनवाई, फरियादियों के मामलों के निस्तारण तथा अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों के संचालन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए धरना-प्रदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट भवन के पीछे स्थित कोषागार कार्यालय के सामने पश्चिम दिशा की ओर एक निर्धारित स्थल चिन्हित किया गया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने पुलिस अधीक्षक सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में विभिन्न राजनैतिक, अराजनैतिक एवं अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम केवल निर्धारित स्थल पर ही आयोजित कराए जाएं।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

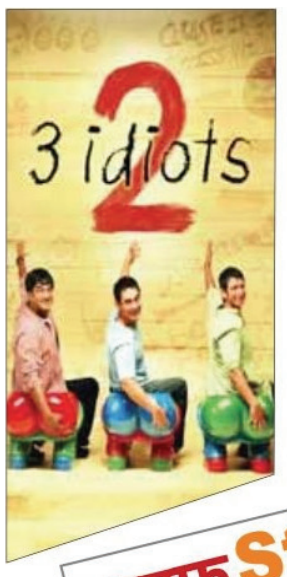

अब शादीशुदा और बच्चों का बाप है रैंचो : हिरानी

मुंबई। करीब 17 साल बाद '3 इडियट्स' के सीक्वल पर आधिकारिक काम शुरू हो चुका है। खुद राजकुमार हिरानी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर खुलकर बात की है। आमिर खान भी कहानी सुन चुके हैं और ओरिजिनल स्टार कास्ट के वापस आने की उम्मीद है। राजकुमार हिरानी ने एक बातचीत में बताया कि वह अपने लंबे समय के राइटिंग पार्टनर अभिजात जोशी के साथ मिलकर सीक्वल की कहानी और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काफी काम बाकी है। हिरानी के मुताबिक, इस बार कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां से पहली फिल्म खत्म हुई थी, लेकिन करीब 15-20 साल बाद। यानी अब तीनों दोस्त शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। वे अपनी जिंदगी के मिड-लाइफ क्राइसिस से गुजर रहे हैं। इस बार कहानी कॉलेज में नहीं होगी, क्योंकि अब वक्त और जिंदगी दोनों बदल चुकी हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

ईथा में फिर छोड़ा अदाकारी का असर

एजेंसी ⏭ मुंबई

सबसे पसंदीदा एक्ट्रेसेस में से एक श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' में अपनी परफॉर्मेंस से फैंस को इंप्रेस करने के लिए तैयार हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बन रही यह फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है।

यह फिल्म 1940 से 1990 के दशक तक की कहानी दिखाएगी, जिसमें उनके मशहूर होने का सफर और उनके संघर्ष शामिल होंगे। फिल्म की पहली झलक दिख गई है। इस बायोपिक का पहला टीजर 19 जून को शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया। जैसे ही फिल्म का पहला शो शुरू हुआ, दर्शकों को श्रद्धा की एक हैरान करने वाली और नई झलक देखने को मिली। टीजर में वह लावणी डांसर के रोल में शानदार लग रही थीं। 'ईथा' का टीजर मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी के सबसे यादगार पलों में से एक को दिखाता है। श्रद्धा कपूर पहले ही सीन से इस किरदार में पूरी तरह ढल जाती हैं और इस मशहूर कलाकार की मजबूती और हिम्मत को बखूबी दिखाती हैं। टीजर में विठाबाई को बहुत ज्यादा प्रेग्नेंट होने के बावजूद पूरे जोश और लगन के साथ स्टेज पर परफॉर्म करते हुए दिखाया गया है। टीजर में, परफॉर्मेंस के दौरान उन्हें एहसास होता है कि वह बच्चे को जन्म देने वाली हैं। शो को बीच में न छोड़ने का पक्का इरादा करते हुए, वह शांत रहती हैं और बैकस्टेज जाती हैं, जहां वह बच्चे को जन्म देती हैं। हिम्मत की एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए, विठाबाई पत्थर से गर्भनाल काटती हैं और अपनी परफॉर्मेंस पूरी करने के लिए वापस स्टेज पर आ जाती हैं।

हॉलीवुड मसाला

भारत में रिलीज होगी डोरेमोन की यह फिल्म

लॉस एंजिल्स। कॉर्टून की दुनिया का सबसे लोकप्रिय किरदार डोरेमोन अब जल्द भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म 'डोरेमोन द मूवीः न्यू नोबिता एंड द कैसल ऑफ द अंडरसी डेविल' इस साल देशभर में रिलीज होने जा रही है। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी कर फैंस के साथ यह जानकारी साझा की। फिल्म का प्रमोशन 20 जून से शुरू होने वाले पॉप कल्चर फेस्टिवल में किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

आज के बच्चों को आईना दिखाती है टॉय स्टोरी 5

मुंबई। कभी गुड्डे-गुड़ियों की शादी कराते, तो कभी घंटों खिलौनों के साथ एक नई दुनिया बुनते बच्चों के हाथों में जब से फोन और टैबलेट आए हैं, तब से खिलौनों से उनका नाता बहुत कम हो गया है। बाहर निकलकर खेलना, असली दोस्त बनाना कितना अहम है, यह बेहद खूबसूरती से दिखाती है 31 वर्षों से चल रही एनिमेटेड एडवेंचर कॉमेडी टॉय स्टोरी सीरीज की पांचवीं फिल्म टॉय स्टोरी 5। कहानी है बौनी (स्कार्लेट स्पीयर्स) की जो खिलौनों से तो खूब खेलती है, लेकिन दोस्त नहीं बना पाती है। उसके माता-पिता उसके लिए लिलीपैड (ग्रेटा ली) डिवाइस यानी टैबलेट ले आते हैं, जिस पर बौनी के डांस क्लास के दोस्त ऑनलाइन बनते हैं। बौनी अपने खिलौने से दूर हो जाती है।

एक्टर हेनरी के साथ नजर आईं सारा

मुंबई। गुरुवार की शाम हॉलीवुड और बॉलीवुड का शानदार संगम देखने को मिला। जब 'सुपरमैन' फेम एक्टर हेनरी कैविल और बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। दोनों कलाकार एक लग्जरी वॉच ब्रांड के इवेंट में शामिल हुए। इवेंट में पटौदी खानदान की युवा राजकुमारी सारा अली खान अपने शाही अंदाज में नजर आईं। सारा ने इवेंट से कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। सारा ने इस खास इवेंट के लिए मोनोक्रोमैटिक आइवरी आउटफिट चुना। इसके साथ उन्होंने अपनी खूबसूरती और शालीनता का बेहतरीन मेल पेश किया। उनके लुक में एक तरफ जहां विंटेज चार्म था वहीं दूसरी तरफ आधुनिक भव्यता भी नजर आई। उन्होंने रिच टेक्सचर वाले ट्वीड-स्टाइल फैब्रिक से बनी स्ट्रक्चर्ड मिडी-लेंथ शीथ ड्रेस पहनी थी।

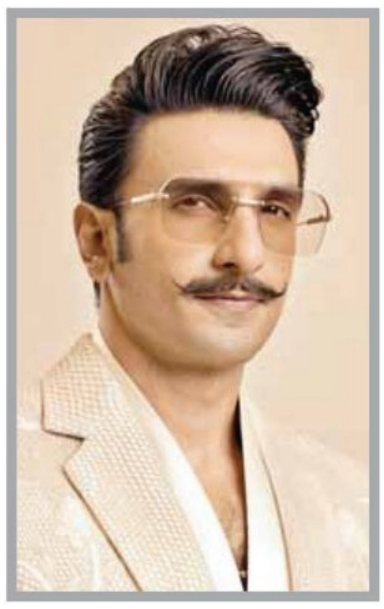

18 महीने तक नहीं देंगे कोई इंटरव्यू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों 'डॉन 3' को लेकर चल रहे विवाद के कारण सुर्खियों में हैं। खबरों के मुताबिक, रणवीर ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने तय किया है कि वह अगले 18 महीनों तक किसी भी तरह का इंटरव्यू नहीं देंगे और इस विवाद पर कोई बयान भी नहीं देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर ने यह बात एक ट्रेड जर्नलिस्ट से मुलाकात के दौरान खुद कही। उन्होंने साफ कर दिया कि वह 'डॉन 3' से जुड़े किसी भी सवाल पर बात नहीं करेंगे और अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की रिलीज तक मीडिया से दूरी बनाए रखेंगे। दरअसल, रणवीर सिंह और फिल्ममेकर फरहान अख्तर के बीच 'डॉन 3' को लेकर मतभेद हो गए थे। कहा जा रहा है कि रणवीर फिल्म की स्क्रिप्ट और बार-बार हो रही देरी से खुश नहीं थे। इसी वजह से उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला लिया।

टीवी मसाला

बाघा का रो-रोकर बुरा हाल मां को यादकर फफक पड़े

नई दिल्ली। पॉपुलर टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बाघा का किरदार निभाकर मशहूर हुए तन्मय वेकारिया हाल ही सेट पर भावुक हो गए। तन्मय मां को याद कर इस कदर बिलख पड़े कि असित मोदी को शूटिंग बीच में ही रोकनी पड़ी और वह एक्टर को संभालते दिखे। सोशल मीडिया पर 'तारक मेहता...' के सेट से वीडियो सामने आया है, जिसे देख फैंस भी भावुक हो गए हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि तन्मय वेकारिया सीन के बीच भावुक हो गए और फूट-फूटकर रो पड़े। यह देख शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने उन्हें ढांढस बंधाया और संभालते दिखे। तन्मय वेकारिया एक सीन शूट कर रहे थे, जो बाघा और बावरी की लव स्टोरी से जुड़ा था। लेकिन, जैसे ही कैमरा रोल होना शुरू हुआ, तन्मय भावुक हो गए। दरअसल, तन्मय वेकारिया की मां उन्हें बाघा के रोल में बेहद पसंद करती थीं, पर हाल ही उनका निधन हो गया। फिलहाल शो में बाघा और बावरी की लव स्टोरी का ट्रैक दिखाया जा रहा है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। लेकिन, तन्मय इस दुख को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे कि अब उनके लिए दर्शकों के इस प्यार और बाघा के रूप में उन्हें देखने के लिए मां दुनिया में नहीं है, और वह रोने लगे। तन्मय वेकारिया का हाल देख सेट का माहौल गम में बदल गया और हर किसी की आंखें नम हो गईं। शूटिंग भी रोक दी गई। असित मोदी के अलावा 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर्स और बाकी टीम तन्मय वेकारिया के पास जाकर उन्हें संभालने लगी। इसके बाद तन्मय ने अपनी मां से जुड़ी कई प्यारी यादें साझा कीं और बताया कि कैसे वह 'बाघा' वाले हर एपिसोड को देखने का बेसब्री से इंतजार करती थीं।

माता-पिता का करें सम्मान : इमरान

मुंबई। छोटे पर्दे के मशहूर कलाकार के तौर पर अभिनेता इमरान खान को जाना जाता है। फादर्स डे के खास अवसर को मद्देनजर रखते हुए इमरान ने आज के समय में बच्चों को अनुसान सिखाने और माता-पिता सम्मान को लेकर चर्चा की है। धारावाहिक जगधात्री में महेश देशमुख की भूमिका निभाने वाले अभिनेता इमरान खान कहते हैं- बतौर पिता मैं अपने बच्चों से सम्मान और अनुशासन की उम्मीद करता हूं। बच्चों को अपने माता-पिता को सम्मान देना ही चाहिए। यह मैं खासतौर पर आज की जेन जी पीढ़ी के लिए कहना चाहता हूं। हर माता-पिता अपने बच्चों को पालने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। इसलिए, माता-पिता को उल्टे जवाब देना और सम्मान न करना मुझे नहीं पसंद है। माता-पिता को भी अपने बच्चों को बचपन से ही ये चीजें सिखानी चाहिए। मैंने देखा है कि कुछ माता-पिता अपने बच्चों को बहुत लाड-प्यार देते हैं, लेकिन उन्हें लोगों का सम्मान करना और तमीज सिखाना भूल जाते हैं।

धमाल 4 का नया गाना कहर रिलीज, गुरु रंधावा ने लगाया तड़का

मुंबई। इस साल की एक और अवेटेड फिल्म 'धमाल 4' के ट्रेलर और हाल ही में रिलीज हुए जबरदस्त गाने 'चटनी' के बाद, 'धमाल 4' के मेकर्स ने अब एक और नया गाना 'कहर' रिलीज किया है। मजा कई गुना बढ़ाने वाला यह गाना सभी को एनर्जी और एंटरटेनमेंट से भरपूर एक जबरदस्त म्यूजिकल सफर पर ले जाता है। गाने में 'धमाल 4' की कास्ट के साथ गुरु रंधावा ने टीमअप किया है और गजब के पंजाबी वाइब्स दे रहे हैं। इस गाने को गुरु रंधावा ने गाया है और इसके बोल और संगीत गिल मचराई, रोनी अजनाली और गुरु रंधावा ने दिए हैं। संजॉय के प्रोड्यूस और अरेंज किए गए इस गाने में दर्शकों को एक मजेदार सफर पर ले जाया जाता है, जिसमें 'धमाल बॉयज' गुरु के रंग में रंगे हुए, अपने सबसे अनोखे अंदाज में और पीयूष व शाजिया के कोरियोग्राफ किए गए अपने जबरदस्त हुक स्टेप के साथ खूब धमाल मचाते हुए नजर आते हैं। इस गाने में एक्ट्रेस केतिका शर्मा भी एक स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देती हैं। हर उम्र के लोगों के लिए जबरदस्त मनोरंजन का वादा करते हुए, 'धमाल 4' में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा जैसे दमदार कलाकार एक साथ नजर आएंगे।

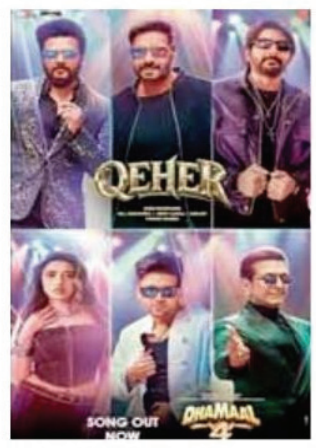

वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे अक्षय, लिया माता का आशीर्वाद

नई दिल्ली। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में अक्षय फिल्म की रिलीज से पहले माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे। अक्षय ने त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित इस पवित्र मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में अभिनेता को देखते ही वहां मौजूद फैंस ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान अक्षय कुमार पारंपरिक सफेद कुर्ता पहने नजर आए। सोशल मीडिया पर भी अक्षय के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें फैंस उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले कुमार यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले अक्षय यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। एक्टर के आने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। कई लोग फिल्म स्टार की एक झलक पाने की उम्मीद में रास्ते में और मंदिर परिसर में जमा हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए और लौटने से पहले कुछ समय पूजा-अर्चना में बिताया। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार समेत 34 कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनमें अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी और जैकी श्रॉफ समेत कई अन्य नाम शामिल हैं। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वेलकम टू द जंगल की रिलीज से पहले अक्षय ने लिया वैष्णो देवी का आशीर्वाद

आकाश हैं, धूप में छांव हैं, जब टूट जाओ तो हिम्मत हैं पिता

पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी हैं ये फिल्में, दर्शकों के दिलों को जीतने में रहीं कामयाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

'पिता सिर्फ एक रिश्ता नहीं है, वह एक भरोसा होना चाहिए, जो तुम्हें यकीन दिलाए कि अगर पूरी दुनिया भी तुम्हारे सामने खड़ी हो जाए न तो तुम लड़ लोगे!' यह डायलॉग है शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का। फिल्म में यह संवाद नयनतारा बोलती हैं। और, सही मायने में यह फिल्म में कह देने भर की बात नहीं है, बल्कि जिंदगी की हकीकत है। पिता आकाश हैं। धूप में छांव हैं। जब टूट जाओ तो पिता हिम्मत हैं। निर्माता-निर्देशकों ने भी इस रिश्ते की खूबसूरती को पर्दे पर दिखाने की कोशिश की है।

जवान

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में भी बाप-बेटे की कहानी है। फिल्म में शाहरुख पिता और पुत्र की दोहरी भूमिका में हैं। फिल्म का ये डायलॉग खूब हिट हुआ है, 'बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर!' अभिनय के मामले में भी शाहरुख का पिता के रूप में विक्रम राठौर का किरदार कहीं ज्यादा पसंद किया गया।

गदर 2

फिल्म 'गदर 2' बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है, जहां पिता के रूप में सनी देओल अपने बेटे (उत्कर्ष शर्मा) के लिए पाकिस्तान तक पहुंच गए। जीते (उत्कर्ष शर्मा) जब पाकिस्तान में फंस जाता है, तो वह पाकिस्तानी फौजी अफसर से कहता है, 'दुआ कर कि मेरा बाप यहां ना आए। अगर मेरा बाप यहां आ गया, तो तेरे इतने टुकड़े करेगा, इतने टुकड़े करेगा...' वहीं तारा सिंह भी भले ही घर में जवान बेटे पर हाथ उठा देता हो, लेकिन बेटे के मुसीबत में फंस जाने पर सारे खतरे उठाकर पाकिस्तान चल पड़ता है। इससे पहले बाप से अक्सर नाराज रहने वाला बेटा भी अपने पिता को तलाशने की खातिर दुश्मन मुल्क पाकिस्तान में जाने का जोखिम उठाता है। फिल्म में एक और भावुक कर देने वाला संवाद है, जब जीते एक जगह कहता है, 'जिसके ऊपर पिता का साया है, उसे फिक्र करने की क्या जरूरत!'

ओएमजी 2

फिल्म 'ओएमजी 2' भी पिता-पुत्र की कहानी पर आधारित है, जिसमें एक पिता अपने मासूम बेटे के लिए कोर्ट तक जाता है। फिल्म में दिखाया गया कि जब नाबालिग बेटा अपना वीडियो वायरल होने के चलते परेशानी में था और सारी दुनिया उसके खिलाफ थी, तब उसके बाप ने ही उसका पूरी मजबूती से साथ दिया। यहीं नहीं, वह अपने बेटे की खातिर अपना सब कुछ दांव पर लगाकर सारी दुनिया से भिड़ने से भी नहीं हिचकिचाया।

टाइगर 3: सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' भी बाप-बेटे की कहानी कहती है। फिल्म में सलमान खान का एक संवाद है, 'मेरे बेटे को मैं नहीं, इंडिया बोलेगा कि उसका बाप क्या था? गद्दार या देशभक्त! जिंदा रहा तो आपकी खिदमत में फिर हाजिर नहीं तो जय हिंद'! यह फिल्म भी पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी है।

एनिमल : रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' भी इस लिस्ट में शामिल है। इसमें रणबीर के पिता की भूमिका में अनिल कपूर नजर आए। अनिल कपूर को एक ऐसे सख्त पिता की भूमिका में दिखाया गया, जो अपने बेटे को किसी लायक नहीं समझता। हालांकि, बाद में फिल्म एक भावुक मोड़ लेती है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

102 नॉट आउट: अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर की ये फिल्म भी बाप-बेटे के रिश्ते पर बनी है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने 102 साल की उम्र के पिता को रोल निभाया था, जबकि दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर इसमें 75 साल के उनके बेटे की भूमिका में दिखाई दिए थे। फिल्म में बाप-बेटे की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिली। इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया था।

पा : साल 2009 में अमिताभ, अभिषेक और विद्या बालन अभिनीत फिल्म 'पा' ने सिनेमा जगत के कई रिकार्ड्स तोड़े जब प्रोजेरिया से पीड़ित बेटे का किरदार निभाया अमिताभ बच्चन ने और उसके पिता का किरदार खुद उनके बेटे अभिषेक ने निभाया। एक बेहद मार्मिक कहानी जो 13 साल के एक बीमार बच्चे की है। इसमे साहस और आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा है। आर बाल्की ने इस फिल्म में पिता और पुत्र के एक अनोखे रिश्ते को दर्शाया है जो एक- दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त है।